Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 190 | रविवार, 19 जुलाई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

विक्रम-1: स्काईरूट ने रचा इतिहास, छह पेलोड पृथ्वी की निचली कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किए

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत का पहला निजी ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च हुआ। यह लॉन्चिंग आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से सुबह 11:30 बजे होनी थी, लेकिन लॉन्च से कुछ देर पहले ही रोक दिया गया था। हालांकि कुछ देर बाद इसे दोबारा शुरू किया गया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्काईरूट एयरोस्पेस को बधाई दी है। वहीं, विक्रम-1 के माध्यम से दो उपग्रहों सहित छह पेलोड को सफलतापूर्वक निम्न-पृथ्वी कक्षा में पहुंचाया।

क्या है मिशन आगमन?

मिशन आगमन विक्रम-1 रॉकेट की पहली परीक्षण उड़ान है। इसका प्रक्षेपण आज सुबह 11:30 बजे श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से किया जाना है। इस मिशन के जरिए स्काईरूट एयरोस्पेस अपने पूरी तरह स्वदेशी विकसित ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल की क्षमताओं का परीक्षण करेगी।

यह मिशन इतना अहम क्यों माना जा रहा है?

अब तक भारत में कक्षा में उपग्रह भेजने का काम मुख्य रूप से इसरो के रॉकेटों के जरिए होता रहा है। अगर विक्रम-1 सफल होता है तो भारत की निजी कंपनियां भी स्वतंत्र रूप से व्यावसायिक लॉन्च सेवाएं देने में सक्षम होंगी। आईएन-स्पेस के तकनीकी निदेशक राजेश जोथी के अनुसार यह मिशन छोटे उपग्रहों और छोटे लॉन्च व्हीकल के वैश्विक बाजार में भारत की स्थिति को मजबूत कर सकता है। उनका कहना है कि वर्ष 2020 में अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधार लागू होने के बाद निजी क्षेत्र की भागीदारी तेजी से बढ़ी है।

विक्रम-1 के साथ अंतरिक्ष में क्या भेजा जाएगा?

मिशन आगमन में कई पेलोड भेजे जाएंगे। इनमें बंगलूरू की कंपनी कॉसमॉस डायमंड्स द्वारा विकसित लैब में तैयार किया गया डायमंड लोटस भी शामिल है। साथ ही अजय कुमार मट्टेवाड़ा की बनाई गई माइक्रोआर्ट भी विक्रम-1 मिशन के साथ अंतरिक्ष में भेजी जा रही है। इसमें 18 कैरेट सोने से बना एक छोटा रॉकेट है, जिसके अंदर भारत के तीन महान वैज्ञानिकों सर सीवी रमन, डॉ. विक्रम साराभाई और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की बेहद सूक्ष्म मूर्तियां बनाई गई हैं। इन मूर्तियों का आकार इतना छोटा है कि वे चावल के एक दाने से भी छोटी हैं। इसके अलावा इस मिशन के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हस्तलिखित पोस्टकार्ड भी अंतरिक्ष में भेजा जाएगा, जिस पर वंदे मातरम लिखा है। स्काईरूट के अनुसार इसके साथ कंपनी की टीम, निवेशकों, नीति-निमार्ताओं और दुनिया भर के शुभचिंतकों के हस्तलिखित संदेश भी भेजे जा रहे हैं।

पीएम मोदी ने दी बधाई

श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर में मौजूद टीम से फोन पर बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह 'मिशन आगमन' है। इस आगमन को अभी और आगे बढ़ते जाना है। पीएम मोदी ने स्काईरूट एयरोस्पेस के संस्थापकों से बात करते हुए कहा, 'सबसे पहले स्काईरूट एयरोस्पेस को पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई। मुझे इस सफलता के लिए आनंद है। मैं इस पूरे लॉन्चिंग कार्यक्रम को देख रहा था। आपकी पूरी टीम 20-30 साल की उम्र की दिखती है। ये मुझे और खुशी दे रही थी।'

पीएम मोदी के साथ मंच पर दिखे मनीष तिवारी, आलोचकों को जवाब- विकास दलगत Politics से ऊपर

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सीनियर कांग्रेस नेता और सांसद मनीष तिवारी ने 18 जुलाई को सरकारी कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी मौजूदगी को लेकर हो रही आलोचना का जवाब दिया। '' पर इस मुद्दे पर बात करते हुए तिवारी ने कहा कि मैंने हमेशा विकास की जरूरतों को पार्टी की राजनीति से ऊपर रखने की कोशिश की है... मैं ऐसा ही हूँ, चाहे कोई कुछ भी सोचे! ये टिप्पणियां 17 जुलाई को तिवारी के एक हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम में शामिल होने के बाद आईं, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने चंडीगढ़ और तिवारी के पूर्व निर्वाचन क्षेत्र श्री आनंदपुर साहिब में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया था। तिवारी ने 24 अगस्त, 2022 की एक घटना का ज़िक्र किया, जब उन्होंने पार्टी के मतभेदों से ऊपर उठकर इलाके की तरक्की को प्राथमिकता दी थी। उन्होंने न्यू चंडीगढ़ में होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल और रिसर्च सेंटर के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया था—एक ऐसी सुविधा जिसे उन्होंने इस इलाके के हजारों कैंसर मरीजों के लिए एक अहम जीवन-रेखा बताया था।

दस साल में 150 पेपर लीक, 7.5 करोड़ छात्र प्रभावित, 'छात्रों की गूंज' में बोले राहुल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि पेपर लीक की वजह से कई परिवारों को बहुत दुख पहुंचा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि छात्रों की सुरक्षा और माता-पिता को न्याय दिलाने के लिए परीक्षा प्रणाली को फिर से बनाने की जरूरत है। एक्स पर एक पोस्ट में गांधी ने रिया के पिता के साथ हुई अपनी बातचीत का ज़िक्र किया। रिया एक छात्रा थी जिसने कथित तौर पर ठएएळ पेपर लीक विवाद के बाद आत्महत्या कर ली थी। गांधी ने कहा कि यह घटना कई परिवारों के दुख को दिखाती है। गांधी ने लिखा रिया के पिता, राजेश जी, अपनी बेटी को खोने के बाद इतने टूट गए थे कि उन्हें देखने वाले हर व्यक्ति की आँखों में आँसू आ गए। यह सिर्फ.एक परिवार का दुख नहीं है। पेपर लीक ने ऐसे कई परिवारों से उनके बच्चों को छीन लिया है। उन्होंने कहा कि हर नाम के पीछे एक माँ और एक पिता हैं - जिनके लिए अब कोई कल नहीं है। इस सिस्टम को शुरू से बनाना होगा जहाँ बच्चों को तनाव नहीं, बल्कि सुरक्षा मिले। और माता-पिता को उनके त्याग का फल मिलना चाहिए - आँसू नहीं।' कांग्रेस नेता ने यह बात शुक्रवार को देहरादून में अपने 'छात्रों की गूँज' कार्यक्रम के दौरान रिया के पिता से बातचीत के बाद कही। बन्नू स्कूल ग्राउंड में हुई बातचीत के दौरान, रिया के पिता ने अपनी बेटी को खोने का दुख जताया और गांधी से संसद में यह मुद्दा उठाने का आग्रह किया ताकि किसी और परिवार को ऐसी त्रासदी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि मेरी बेटी 3 मई को खुशी-खुशी घर लौटी थी। मैंने उससे परीक्षा के बारे में पूछा। वह बहुत खुश थी, लेकिन जब पेपर लीक होने की खबर आई, तो उसने मुझे अपने मोबाइल पर वह खबर दिखाई। मैंने उस रिपोर्ट को गलत बताया, लेकिन उसने जोर देकर कहा कि पेपर सच में लीक हुआ था। उन्होंने आगे कहा कि मेरी बेटी के साथ जो हुआ, मैं नहीं चाहता कि वह किसी और के साथ हो। कृपया संसद में यह मुद्दा उठाएँ ताकि किसी और को इसका सामना न करना पड़े। मैं अपनी बेटी के बिना जी नहीं सकता। गांधी ने परीक्षा में गड़बड़ियों और छात्रों की चुनौतियों से जुड़ी चिंताओं को उजागर करने के लिए 17 जून को राजस्थान के कोटा से देशव्यापी 'छात्रों की गूँज' अभियान शुरू किया था।

रायपुर के बंद मकान में एक ही परिवार के 5 लोगों के मिले शव, जांच में जुटी पुलिस

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

रायपुर। राजधानी के टिकरापारा थाना क्षेत्र के संजय नगर (मदनी चौक) में बंद मकान से पांच शव बरामद किए गए हैं। मृतकों में पति-पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा शामिल हैं। घटना की जानकारी मिलते ही टिकरापारा पुलिस और फोरेंसिक एक्सपर्ट्स की टीम मौके पर पहुंच गई है। पुलिस ने मकान को सील कर साक्ष्य जुटाना शुरू कर दिया है। यह परिवार पिछले आठ महीनों से यहां एक मकान में किराए पर रह रहा था। पड़ोसियों ने बताया कि गुरुवार शाम से घर का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी समय तक कोई हलचल न होने पर जब संदेह हुआ, तो आस-पास के लोगों ने देखा कि भीतर शव पड़े हुए हैं। इसके तुरंत बाद पुलिस को मामले की सूचना दी गई। पुलिस की शुरूआती जांच के मुताबिक मृतकों में साजिद अली (50 वर्ष) का शव फंदे से लटका मिला। वहीं उसकी पत्नी राबिया, पुत्र इरशाद अली (19 वर्ष), पुत्री शाहिदा (17 वर्ष) और इरशाबा बेगम (16 वर्ष) के शव कमरे में मिले, मुंह और नाक से झाग निकला दिखाई दे रहा है। आशंका जताई जा रही है कि बाकी सदस्यों की मौत किसी विषाक्त पदार्थ के सेवन से हुई है।

बैंक कर्ज के चलते पति-पत्नी में होता था विवाद

साजिद अली मौदहापारा में बैटरी रिपेयरिंग का काम करता था। स्थानीय लोगों के अनुसार परिवार पर कुछ कर्ज (लोन) था, जिसकी वसूली के लिए रिकवरी कर्मी अक्सर वहां आते थे। आर्थिक तंगी के कारण परिवार में आपसी विवाद होने की बात भी सामने आ रही है।

शव पीएम के लिए आंबेडकर अस्पताल भेजा

घटना की खबर मिलते ही इलाके में भारी संख्या में लोग एकत्रित हो गए, जिन्हें नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिसअधिकारियों का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए शव पीएम के लिए आंबेडकर अस्पताल भेज दिया गया है। सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है।

सोनम वांगुचक को जबरन अस्पताल ले गई दिल्ली पुलिस

सीजेपी का आरोप- छात्रों पर किया गया लाठीचार्ज

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर धरना दे रहे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर से हटाकर सफदरजंग अस्पताल पहुंचाया है। साथ ही कई छात्रों को भी पुलिस ने हटाया है। CJP ने आरोप लगाया है कि छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया है। सोनम वांगचुक पिछले 20 दिनों से अनिश्चितकालीन अनशन पर थे। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, उनकी बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए विशेषज्ञ डॉक्टरों की सलाह और दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के तहत उन्हें अस्पताल शिफ्ट किया गया। पुलिस ने कहा कि कार्रवाई के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने विरोध किया। जिसके कारण हल्की झड़प जैसी स्थिति बनी, लेकिन पुलिस ने संयम बरतते हुए पूरी प्रक्रिया को सुरक्षित तरीके से पूरा किया।

छात्रों पर लाठीचार्ज का आरोप

हालांकि प्रदर्शन से जुड़े संगठनों ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दावा किया कि पुलिस ने CJP संस्थापक अभिजीत दिपके को उनके ठहरने की जगह पर रोक दिया है। साथ ही सोनम वांगचुक को प्रदर्शन स्थल से हटाया गया है। उन्होंने छात्रों पर लाठीचार्ज का भी आरोप लगाया। इस बीच AISA ने दावा किया कि छात्रों ने मानव श्रृंखला बनाकर उन प्रदर्शनकारियों को पुलिस कार्रवाई से बचाने की कोशिश की।

सोनम वांगचुक को अस्पताल ले जाया गया

दिल्ली पुलिस ने सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाकर सफदरजंग अस्पताल पहुंचाया है। पुलिस के मुताबिक, यह कदम उनकी खराब होती स्वास्थ्य स्थिति और मेडिकल सलाह के आधार पर उठाया गया।

दिल्ली पुलिस ने दी सफाई

DCP नई दिल्ली ने कहा कि यह कार्रवाई दिल्ली हाईकोर्ट के आदेशों का पालन करते हुए की गई। पुलिस ने दावा किया कि प्रदर्शनकारियों ने हटाने की प्रक्रिया में बाधा डालने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने संयम बरता।

CJP ने लगाए पुलिस पर गंभीर आरोप

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दावा किया कि पुलिस ने अभिजीत दिपके को रोका और सोनम वांगचुक को प्रदर्शन स्थल से उठा लिया गया। उन्होंने छात्रों पर लाठीचार्ज का आरोप लगाया।

अभिजीत दीपके का आरोप

अभिजीत दीपके ने दावा किया कि उन्हें उनके दोस्त के घर के बाहर पुलिस ने रोककर रखा, जहां वह फ्रेश होने गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके साथ मारपीट की और जंतर-मंतर पर लाठीचार्ज किया।

छात्रों ने बनाई मानव श्रृंखला

AISA के मुताबिक, छात्रों ने नेहा, आमेन और मनीष को पुलिस कार्रवाई से बचाने के लिए मानव श्रृंखला बनाई। संगठन ने लोगों से जंतर-मंतर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों के समर्थन की अपील की।

वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाना, छात्रों की आवाज दबाना गलत : राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि मोदी सरकार का सिद्धांत असत्य और हिंसा पर आधारित है इसलिए वह जनता से जुड़े हर मामले में गलत निर्णय लेती है। गांधी ने शनिवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक जनहित की लड़ाई और वह जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण आमरण अनशन कर रहे थे लेकिन सरकार ने आज सुबह अचानक सोनम वांगचुक को वहां से हटा दिया, जो पूरी तरह से गलत है।

नम वांगचुक को जबरन उठाना अहंकारी मोदी सरकार की हार : केजरीवाल

आम आदमी पार्टी (आप) ने 21 दिनों से अनशन पर बैठे प्रसिद्ध शिक्षाविद सोनम वांगचुक को जंतर मंतर से जबरन उठाने और युवाओं पर लाठीचार्ज करने की कार्रवाई को अहंकारी मोदी सरकार की हार करार दिया। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को पुलिस की कार्रवाई को लेकर मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि इतना अहंकार ठीक नहीं है। वांगचुक को जबरन उठाने की बजाय मोदी सरकार को उनसे बात करनी चाहिए थी। कॉकरोच आंदोलन को कुचलने की बजाय, देश की शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था सुधारो।

वांगचुक को हिरासत में लिये जाने के बाद दीपके ने किया राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान

पर्यावरण कार्यकर्ता और शिक्षाविद सोनम वांगचुक को हिरासत में लिये जाने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने देशभर में लोगों से शांतिपूर्ण प्रदर्शन का आह्वान किया है। दीपके ने कहा कि वांगचुक को इस तरह हिरासत में लेना 'तानाशाही' है जिसका विरोध जरूरी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी एक वीडियो में कहा, 'दिल्ली पुलिस ने सोनम सर (वांगचुक) को जंतर-मंतर से उठा लिया है। पुलिस ने विद्यार्थियों पर भी लाठीचार्ज किया है। मैं अभी अपने दोस्त के घर गय था, जहां मुझे बंद कर दिया गया और मेरे साथ भी मारपीट की गयी।' उन्होंने कहा, 'वांगचुक को उठाने के बाद उन्होंने मुझे छोड़ दिया है लेकिन जंतर-मंतर जाने की अनुमति अभी भी नहीं है। जो भी लोग यह वीडियो देख रहे हैं, मैं उनसे अपील करता हू कि हमें देशभर में प्रदर्शन करना होगा। सभी से अनुरोध है कि कोई नियम तोड़े बिना शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करें। हमें जवाब देना होगा कि हम तानाशाही बर्दाश्त नहीं करेंगे।' इस बीच, सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रंका ने कहा, 'हम सुबह दिन की शुरूआत करने से पहले अपने दोस्त के घर जाते हैं। इसी वक्त सोनम वांगचुक को हिरासत में लिया गया है। जंतर-मंतर को बंद कर दिया गया है और अंदर लोगों को मारा जा रहा है।' उन्होंने कहा, 'शायद हमें भी अभी गिरफ्तार किया जाये लेकिन हम लोगों से अपील करते हैं कि अब चुप बैठने का समय नहीं है। सड़कों पर उतरकर शांतिपूर्वक प्रदर्शन करें। आप मत भूलिएगा कि 20 बच्चों ने आत्महत्या की है। हम व्यवस्था बदलने के लिए लड़ रहे हैं।' उल्लेखनीय है कि धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के साथ 21 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे वांगचुक को दिल्ली पुलिस ने शनिवार सुबह जंतर-मंतर से हिरासत में ले लिया।

संपादक की कलम से

मेरा हक, मेरा सपना, मेरा लोकतंत्र: अब और इंतजार नहीं

ललित शर्मा
संपादक

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना यह नहीं कि महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देर से मिला, बल्कि यह है कि कानून बनने के बाद भी उसका लाभ आज तक नहीं मिला। संविधान (106वाँ संशोधन) अधिनियम, 2023 पारित और अप्रैल 2026 में अधिसूचित हो चुका है, फिर भी उसका क्रियान्वयन जनगणना और परिसीमन तक टला है। 20 जुलाई 2026 से जंतर–मंतर पर प्रस्तावित अनिश्चितकालीन धरना केवल आंदोलन नहीं, बल्कि उस व्यवस्था से सीधा सवाल है जिसने अधिकार तो दिया, पर उसे लागू नहीं किया। आंदोलनकारी महिलाओं का स्पष्ट संदेश है—'हमें भविष्य की संसद का आश्वासन नहीं, वर्तमान की संसद में अपना संवैधानिक स्थान चाहिए।' यह केवल महिलाओं की पुकार नहीं, बल्कि लोकतंत्र के अधूरे वादे की गूंज है। संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम, 2023 ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक–तिहाई आरक्षण का मार्ग खोला और इसे भारतीय राजनीति का ऐतिहासिक मोड़ माना गया। अप्रैल 2026 में अधिसूचना जारी होने के बावजूद इसका क्रियान्वयन अगली जनगणना और उसके बाद होने वाले परिसीमन से जोड़ दिया गया। यानी अधिकार संविधान में दर्ज है, लेकिन उसका लाभ अब भी टला हुआ है। यही कारण है कि महिला संगठनों का आक्रोश बढ़ रहा है। वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता शबनम हाशमी सहित अनेक महिला नेताओं का सवाल है—क्या आधी आबादी को आज भी लोकतंत्र में 'दूसरी श्रेणी का नागरिक' मानकर इंतजार कराया जाएगा? यदि समान अधिकार संवैधानिक संकल्प है, तो उसका क्रियान्वयन भी बिना विलंब होना चाहिए। इस देरी के पीछे केवल संवैधानिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि राजनीतिक गणित भी है। 2021 की जनगणना अब तक नहीं हुई, जबकि उसके बाद का परिसीमन देश का राजनीतिक संतुलन बदल सकता है। अनुमान है कि लोकसभा की सीटें 543 से बढ़कर लगभग 850 हो सकती हैं। इससे उत्तर भारतीय राज्यों का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा, जबकि जनसंख्या नियंत्रण में सफल दक्षिणी राज्यों की हिस्सेदारी घटने की आशंका है। इसी कारण अप्रैल 2026 में लाए गए 131वें संविधान संशोधन और परिसीमन विधेयक पर विवाद गहरा गया। विपक्ष इसे राजनीतिक रणनीति मानता है, जबकि महिला संगठनों का आरोप है कि महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़कर उसका क्रियान्वयन टाल दिया गया। प्रक्रियाएं आवश्यक हैं, लेकिन जब वे अधिकारों में बाधा बनें, तो उन पर पुनर्विचार भी आवश्यक हो जाता है। इस देरी की सबसे बड़ी कीमत देश की महिलाएं चुका रही हैं। आज लोकसभा में उनका प्रतिनिधित्व 14 प्रतिशत से कम और राज्य विधानसभाओं में औसतन 10 प्रतिशत है। आरक्षण लागू होते ही सैकड़ों महिलाएं राष्ट्रीय नीति–निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा सकती हैं। पंचायतों और नगरीय निकायों में 50 प्रतिशत तक आरक्षण सिद्ध कर चुका है कि महिलाओं की भागीदारी से शासन अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और जनहितकारी बनता है। जल, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों को नई प्राथमिकता मिली है। जब गांव से नगर तक महिलाएं नेतृत्व क्षमता साबित कर चुकी हैं, तब संसद के द्वार उनके लिए प्रतीक्षा का प्रतीक बने रहना लोकतंत्र की बड़ी विडंबना है। इस पृष्ठभूमि में महिला आरक्षण के लिए राष्ट्रीय गठबंधन सहित अनेक महिला संगठनों की मांग केवल राजनीतिक आग्रह नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक न्याय की अपेक्षा है।

भ्रामक तथ्यों की राजनीति: जब झूठ का आवरण लोकतंत्र की सच्चाई को निगलने लगे

एन0के0शर्मा
लेखक

लोकतंत्र केवल चुनावों, राजनीतिक दलों, संसदों और सरकारों का नाम नहीं है। लोकतंत्र मूलतः सत्य, विवेक, पारदर्शिता और नागरिकों की सूचित सहमति पर आधारित शासन-व्यवस्था है। जनता जिस जानकारी के आधार पर अपने प्रतिनिधियों को चुनती है, नीतियों का समर्थन या विरोध करती है और देश के भविष्य के संबंध में अपनी राय बनाती है, वही जानकारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक नींव होती है। इसलिए जब तथ्यों को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया जाता है, आधे सच को पूर्ण सत्य का रूप दिया जाता है, झूठ को बार-बार दोहराकर जनविश्वास में स्थापित किया जाता है और भावनाओं को तथ्यों का स्थान दे दिया जाता है, तब संकट केवल सूचना का नहीं रहता—वह लोकतंत्र के अस्तित्व का संकट बन जाता है।

आज विश्व राजनीति ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां सत्ता प्राप्त करने और बनाए रखने की प्रतिस्पर्धा केवल नीतियों, विचारों और उपलब्धियों के आधार पर नहीं हो रही। राजनीतिक विमर्श का एक बड़ा हिस्सा चयनात्मक आंकड़ों, भ्रामक दावों, संदर्भ से काटे गए वक्तव्यों, कृत्रिम धारणाओं और डिजिटल माध्यमों से फैलाए जाने वाले असत्य पर निर्भर होता जा रहा है। राजनीति में तथ्य अब केवल सत्य को समझने का माध्यम नहीं रह गए हैं; वे अनेक बार सत्ता-रणनीति के औजार बन जाते हैं।

जो तथ्य राजनीतिक हितों के अनुकूल हों, उन्हें प्रचारित किया जाता है और जो असुविधाजनक हों, उन्हें नकार दिया जाता है या किसी नए भ्रम की चादर से ढक दिया जाता है। यह स्थिति इसलिए अधिक खतरनाक है क्योंकि आधुनिक नागरिक सूचना-विहीन नहीं, बल्कि सूचना-अधिभार से घिरा हुआ है। उसके हाथ में स्मार्टफोन है, सामने समाचारों की अनगिनत धाराएं हैं और सामाजिक मीडिया पर हर क्षण कोई न कोई दावा प्रस्तुत किया जा रहा है। लेकिन सूचना की अधिकता सत्य की गारंटी नहीं होती। जब सत्य, अर्धसत्य, झूठ, प्रचार, अफवाह और भावनात्मक उत्तेजना एक ही सूचना-प्रवाह में मिल जाते हैं, तब सामान्य नागरिक के लिए वास्तविकता और राजनीतिक रूप से निर्मित कथा के बीच अंतर करना कठिन हो जाता है। लोकतंत्र तब स्वस्थ रहता है जब नागरिक कम-से-कम मूल तथ्यों पर सहमत हों। वे नीतियों और विचारधाराओं पर असहमत हो सकते हैं, सरकारों के प्रदर्शन का अलग-अलग मूल्यांकन कर सकते हैं, लेकिन यदि समाज इस बात पर भी सहमत न रह जाए कि वास्तविक घटना हुई या नहीं, आंकड़ा सही है या नहीं, कानून में क्या लिखा है और वर्तमान स्थिति क्या है, तब लोकतांत्रिक संवाद तर्क से हटकर विश्वास, अविश्वास और भावनात्मक ध्रुवीकरण का युद्ध बन जाता है। ऐसी राजनीति में प्रश्न यह नहीं रह जाता कि 'सत्य क्या है?' प्रश्न बदलकर यह हो जाता है—'मेरे पक्ष का सत्य क्या है?' यही लोकतांत्रिक चेतना के पतन का प्रारंभिक संकेत है। राजनीतिक प्रचार कोई नई घटना नहीं है। इतिहास में सत्ता और प्रचार का संबंध सदैव रहा है। किंतु डिजिटल युग ने इस प्रक्रिया को अभूतपूर्व गति और विस्तार दे दिया है। अब किसी भ्रामक दावे को लाखों लोगों तक पहुंचने में महीनों या वर्षों की आवश्यकता नहीं होती। एक संपादित वीडियो, भ्रामक शीर्षक, संदर्भ-विहीन आंकड़ा या कृत्रिम रूप से निर्मित चित्र कुछ ही घंटों में जनमत को प्रभावित कर सकता है। डिजिटल माध्यमों की लोकतांत्रिक पहुंच उनकी सबसे बड़ी शक्ति है, लेकिन यही उनकी सबसे बड़ी चुनौती भी है। आज प्रत्येक व्यक्ति सूचना का निमार्ता, प्रसारक और राजनीतिक प्रभाव का वाहक बन सकता है। जब सत्यापन की संस्कृति कमजोर हो, भावनात्मक सामग्री तथ्यात्मक सामग्री से अधिक तेजी से फैले और डिजिटल प्लेटफॉर्म लोगों को वही सामग्री दिखाएं जो उनके पूर्वाग्रहों की पुष्टि करती हो, तब समाज अलग-अलग सूचना-द्वीपों में विभाजित होने लगता है।

एक ही घटना के संबंध में दो नागरिक दो बिल्कुल अलग संसारों में जी सकते हैं। दोनों के पास अपने-अपने 'तथ्य', वीडियो, विशेषज्ञ और डिजिटल समूह होंगे। समस्या मतभिन्नता नहीं है; समस्या यह है कि मतभिन्नता अब अनेक बार वास्तविक तथ्यों की अलग-अलग व्याख्या पर नहीं, बल्कि अलग-अलग निर्मित वास्तविकताओं पर आधारित होती है। राजनीतिक दल और सत्ता-समूह इस मनोविज्ञान को भली-भांति समझते हैं। सत्य प्रायः बहुआयामी होता है, उसमें संदर्भ और अनिश्चितता होती है। इसके विपरीत राजनीतिक प्रचार सरल होता है—दोषी कौन है, नायक कौन है, शत्रु कौन है और समाधान क्या है। इसी सरलता के कारण भ्रामक राजनीतिक कथाएं वास्तविक तथ्यों की तुलना में अधिक तेजी से लोकप्रिय होती हैं। 'हम बनाम वे' की राजनीति भ्रामक तथ्यों के लिए सबसे उपजाऊ भूमि तैयार करती है। जब किसी समुदाय, दल, वर्ग, क्षेत्र या विचारधारा को स्थायी शत्रु के रूप में प्रस्तुत कर दिया जाता है, तब उसके विरुद्ध प्रसारित होने वाला कोई भी दावा आसानी से स्वीकार किया जाने लगता है। नागरिक तथ्य की जांच नहीं करता, क्योंकि उसका मन पहले ही निर्णय कर चुका होता है।

व्यंग्य

अलगाववाद और प्रेम के बीच मानसिक तमाशा

आसिम अनमोल

सफलताओं पर लोग अन्दर ही अन्दर चूल्हे में लगी लकड़ी की भांति धू–धूकर क्यों जलते हैं? मैंने जब ये समाजिक सवाल एक दिन रिश्ते की मुमानीजान के सामने उठाया तो वह मुझे अपने अनुभव से देखते हुए बोली, बेटा ये इंसान का सदियों पुराना पुश्तैनी रोग है जो दूसरों की सफलताओं और खुशियों पर खुश होने के बजाय आग पर चुट–चुट करते हुए भुट्टे की तरह भुनता हुआ नजर आता है। इस बीमारी को आज तक कोई डाक्टर डाइग्नोज नहीं कर पाया है। लेकिन कोई किसी की सफलताओं पर हृदय से खुश होकर बधाई दे दे तो कौन से अच्छे दिनों के स्थान पर बुरे दिन आ जाएंगे? मैंने घोर अनुभवी मुमानी के सामने एक और सीधा–सादा सवाल दागा। इस पर मुमानी ने काले स्याह होते दिलों की एक्सरे रिपोर्ट की हकीकत बयान करते हुए कहा कि, सच्चे और ओरिजनल दिलों ने भी आर्थिक जीवनों से अनुबन्ध कर लिया है तो वो फिर क्यों आप पर खाली–पीली अपना टाइम वेस्ट करे. उन्हें तो अपने कष्टों से ज्यादा दूसरों की सफलताओं की चिन्ता हमेशा सताए रहती है कि कोई जीवन के पथ पर अग्रसर होता हुआ आगे निकल गया तो हमारी समाज में बनी बनाई पुश्तैनी इज्जत का क्या होगा? तुम प्राक्टिकली जीना सीखो, सब समझ जाओगे। पर मुमानी जान ईश्वर की तरफ से तो ये सब करने की अनुमति नहीं है, और खुदा के संविधान में भी इन सब बातों का परहेज है। फिर क्यों इंसान ईर्ष्या की ऐसी ढपली बजाता फिर रहा है जो चालाकी से बज भी रही है और सुनाई भी नहीं दे रही। बेटा इस नफरत के ढपली रुपी प्रोजेक्ट में इंसान को हमेशा हानि ही हुई है। लेकिन फिर भी वह अपनी लोकल टाइप की वाहवाही के चलते अपने जीवन को गुजारने की कल्पना धरना– प्रदर्शन की मानिंद करने पर तुला हुआ है पहले घर–घर प्रेम पसरा होता था। आज घर–घर आलोचनाएं सपेरा बनकर बीन बजा रही हैं। लोगों को और कोई काम ही नहीं बचा है। मैंने ये सब कहकर मुमानी जान को उद्देश्य पूर्वक कुरेदना चाहा तो उनसे भी रहा नहीं गया बोली बेटा पहले कच्चे घरों में पक्के दिल भी हुआ करते थे। आज चमचमाते घरों में कच्चे और बेजान दिल धड़क रहे हैं। यही बेजान धड़कन इंसान के दिलों में एक दूसरें के लिए खालीपन पैदा कर रही है। जैसी धड़कन वैसे ही आज के कमजोर और कम दिनी सम्बन्ध पनप रहे हैं, अब ऐसे हालातों में दिलों में अलगावाद जगह नहीं बनाएगा, तो क्या प्रेम विकसित होगा। मैंने बातचीत का अन्तिम पड़ाव पार किया और चलता बना।

सरकारी स्कूल सुविधाओं में श्रेष्ठ, फिर भी निजी स्कूलों का बढ़ता आकर्षण क्यों?

वीरेंद्र बहादुर सिंह
लेखक

सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों में प्रतिस्पर्धी परीक्षाएं उत्तीर्ण करने वाले योग्य शिक्षकों की नियुक्ति की जाती है। इन स्कूलों में निशुल्क शिक्षा, पाठ्यपुस्तकें, यूनिफार्म, मध्याह्न भोजन, छात्रवृत्तियां और अनेक कल्याणकारी योजनाएं उपलब्ध हैं। इसके बावजूद बड़ी संख्या में अभिभावक अधिक फीस देकर निजी स्कूलों में अपने बच्चों को पढ़ाना पसंद कर रहे हैं। यह केवल शैक्षिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक प्रश्न भी है।

सरकार वर्षों से सरकारी विद्यालयों के बुनियादी ढांचे, संसाधनों और सुविधाओं को बेहतर बनाने पर करोड़ों रुपए खर्च कर रही है, फिर भी निजी स्कूलों का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। इसके पीछे कई कारण हैं, अभिभावकों की बदलती सोच, रोजगार की नई आवश्यकताएं, अंग्रेजी माध्यम का प्रभाव, विद्यालयों की कार्यशैली, अनुशासन, प्रबंधन और शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर बनी धारणाएं।

आज अंग्रेजी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि उच्च शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, इंजीनियरिंग और वैश्विक रोजगार का माध्यम बन चुकी है। अधिकांश अभिभावकों का विश्वास है कि यदि बच्चा प्रारंभ से ही अंग्रेजी माध्यम में पढ़ेगा तो उसके भविष्य के अवसर अधिक होंगे। जबकि शिक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में होने से बच्चे की बौद्धिक क्षमता और समझ बेहतर विकसित होती है। इसके बावजूद अंग्रेजी के सामाजिक प्रभाव ने निजी स्कूलों की लोकप्रियता बढ़ाई है। निजी विद्यालय प्लेग्रुप से ही अंग्रेजी बोलने, संवाद कौशल और व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान देते हैं, जिससे अभिभावकों को लगता है कि उनका बच्चा प्रतिस्पर्धी दुनिया के लिए तैयार हो रहा है।

सरकारी विद्यालयों के अधिकांश शिक्षक निजी विद्यालयों की तुलना में अधिक योग्य और प्रशिक्षित होते हैं। उनकी नियुक्ति कठोर चयन प्रक्रिया और प्रतियोगी परीक्षाओं के बाद होती है। लेकिन शिक्षा केवल शिक्षक की डिग्री से सफल नहीं होती। बच्चे पर व्यक्तिगत ध्यान, नियमित मूल्यांकन, विद्यालय का प्रभावी संचालन और उत्तरदायित्व भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या अधिक होने के कारण प्रत्येक छात्र पर व्यक्तिगत ध्यान देना कठिन हो जाता है। कई बार प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थी भी पढ़ने-लिखने और गणना की बुनियादी दक्षताओं में कमजोर रह जाते हैं। इसके विपरीत निजी विद्यालय नियमित यूनिट टेस्ट, प्रोग्रेस रिपोर्ट, अभिभावक-शिक्षक बैठक और व्यक्तिगत परामर्श के माध्यम से बच्चों की प्रगति पर लगातार नजर रखते हैं। इससे अभिभावकों का विश्वास मजबूत होता है कि विद्यालय उनके बच्चे की पढ़ाई को गंभीरता से ले रहा है। सरकारी विद्यालयों की सबसे बड़ी चुनौती गैरशैक्षणिक कार्य हैं। चुनाव ड्यूटी, जनगणना, विभिन्न सरकारी सर्वेक्षण, आनलाइन रिपोर्टिंग, मध्याह्न भोजन का प्रबंधन तथा अन्य प्रशासनिक जिम्मेदारियां शिक्षकों के समय का बड़ा हिस्सा ले लेती हैं। इसका सीधा प्रभाव शिक्षण कार्य पर पड़ता है। दूसरी ओर निजी विद्यालयों में शिक्षकों का मुख्य दायित्व केवल शिक्षण, पाठ्यक्रम पूरा कराना और परिणाम सुधारना होता है, जिससे अध्ययन अधिक नियमित और व्यवस्थित रहता है। आज शिक्षा का अर्थ केवल पाठ्यपुस्तक तक सीमित नहीं रह गया है। अभिभावक चाहते हैं कि उनके बच्चे का सर्वांगीण विकास हो। निजी विद्यालय खेल, संगीत, नाटक, वाद-विवाद, चित्रकला, कराटे, स्केटिंग तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों को शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बनाते हैं। सरकारी विद्यालयों में भी पर्याप्त संसाधन और योजनाएं उपलब्ध हैं, लेकिन उनके प्रभावी संचालन, निरंतर मार्गदर्शन और बेहतर प्रबंधन के अभाव में अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाते। अनुशासन और समयपालन भी निजी विद्यालयों की प्रमुख विशेषताएं मानी जाती हैं। समय पर उपस्थिति, नियमित गृहकार्य, निर्धारित आचरण और शिक्षकों की कार्यप्रणाली पर विद्यालय प्रबंधन की सतत निगरानी रहती है। कमजोर प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों पर तुरंत कार्रवाई की जाती है। सरकारी विद्यालयों में भी अनेक स्थानों पर अनुशासन का अच्छा वातावरण है, किंतु व्यवस्था की कठोरता अपेक्षाकृत कम दिखाई देती है। यही कारण है कि कई अभिभावक निजी विद्यालयों को अधिक प्रभावी मानते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा भी निजी विद्यालयों के बढ़ते आकर्षण का महत्वपूर्ण कारण है। समाज में यह धारणा बन गई है कि महंगा विद्यालय ही बेहतर शिक्षा देता है। अनेक परिवार आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद ऊंची फीस भरते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि प्रतिष्ठित निजी विद्यालय में पढ़ने से बच्चे के साथ-साथ परिवार की सामाजिक छवि भी मजबूत होगी। डिजिटल तकनीक ने भी निजी विद्यालयों की लोकप्रियता बढ़ाई है। मोबाइल ऐप, आनलाइन उपस्थिति, होमवर्क, परीक्षा परिणाम, फीस की जानकारी, स्कूल बस की लाइव लोकेशन, स्मार्ट बोर्ड, प्रोजेक्टर और कंप्यूटर लैब जैसी सुविधाएं अभिभावकों को आधुनिक शिक्षा का अनुभव कराती हैं। सरकारी विद्यालयों में भी स्मार्ट क्लास और डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं, लेकिन कई स्थानों पर रखरखाव, प्रशिक्षण और प्रभावी उपयोग की कमी के कारण उनका पूरा लाभ नहीं मिल पाता। क्या सरकारी विद्यालय निजी विद्यालयों को टक्कर नहीं दे सकते? इसका उत्तर है बिलकुल दे सकते हैं। दिल्ली के सरकारी विद्यालय इसका उत्कृष्ट उदाहरण हैं। राजनीतिक इच्छाशक्ति, आधुनिक आधारभूत संरचना, शिक्षकों का नियमित प्रशिक्षण, जवाबदेही, तकनीक का प्रभावी उपयोग और परिणाम आधारित प्रबंधन के माध्यम से सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार संभव है। समस्या सरकारी विद्यालयों की क्षमता में नहीं, बल्कि उनके प्रबंधन और प्रभावी क्रियान्वयन में है। यदि सरकारी विद्यालयों में भी उत्तरदायित्व, अनुशासन, आधुनिक तकनीक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण को समान प्राथमिकता दी जाए, तो समाज का विश्वास पुनः स्थापित किया जा सकता है। आखिरकार अभिभावकों के लिए विद्यालय सरकारी हो या निजी, सबसे महत्वपूर्ण उनके बच्चे का उज्ज्वल भविष्य है।

जगन्नाथ महाराज

मोनिका डागा

कविता

भक्ति 'आनंद' का संगम रथयात्रा उत्सव,
जगत प्रसिद्ध पारम्परिक विशाल महोत्सव,
दूर–दूर से आते प्रभु प्रेमी पुरी धाम,
रथयात्रा की रौनक होती है धूमधाम।

कहे भक्त जय–जय प्रभु जगन्नाथ महाराज,
सुखकारक दुखहरणा दयालु राजाधिराज,
रथयात्रा प्रारम्भ आषाढ़ शुक्ल दूज तिथि,
करें भ्रमण बलराम सुभद्रा कृष्ण कृपा निधि।

सजधज कर प्रभु निकले रथ पर होके सवार,
गूँजें चारों ओर भक्ति की दिव्य झंकार,
अद्भुत तीनों रथों का गजब ही आकर्षण,
सभी मनोरथियों के हरता दुख ये तत्क्षण।

कृपामृत देव बरसाते हैं बहुविध अपार,
करते भक्तों से भेद–भाव से परे बस प्यार,
समर्पित प्रेम डोरी से बंधें घनश्याम,
मौसी के घर भी करते हैं तनिक विश्राम।

जगन्नाथ को चितमन से जो भी पुकारता,
कृपादृष्टि से प्रभु की यह जीवन सँवारता,
धड़कें धक–धक प्रभु का दिल भक्तों के वास्ते,
भात अरोगे जगन्नाथ प्रभु खोलें रास्तें।

सड़क दुर्घटनाएँ: व्यक्तिगत लापरवाही नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुशासन की चुनौती

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

भारत आज विश्व में सड़क दुर्घटनाओं से सर्वाधिक प्रभावित देशों में शामिल है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2024 में लगभग 1.77 लाख लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु हुई। यह संख्या किसी प्राकृतिक आपदा या महामारी से कम नहीं है। प्रत्येक दिन सैकड़ों परिवार अपने किसी प्रियजन को खो देते हैं, हजारों लोग स्थायी रूप से दिव्यांग हो जाते हैं और देश को उत्पादक मानव संसाधन तथा अरबों रुपये की आर्थिक क्षति उठानी पड़ती है। इसलिए सड़क दुर्घटनाओं को केवल चालक की लापरवाही, तेज गति या यातायात नियमों के उल्लंघन तक सीमित करके देखना वास्तविक समस्या से आँखें मूँदने जैसा है। यह वस्तुतः सार्वजनिक स्वास्थ्य, सड़क अवसंरचना, कानून प्रवर्तन, आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं तथा प्रशासनिक समन्वय की व्यापक विफलता का परिणाम है। सड़क सुरक्षा का प्रश्न सीधे नागरिकों के जीवन के अधिकार से जुड़ा है, जिसकी गारंटी भारतीय संविधान का अनुच्छेद-21 देता है। यदि कोई नागरिक सुरक्षित रूप से सड़क पर चल भी नहीं सकता, तो यह केवल उसकी व्यक्तिगत असावधानी नहीं, बल्कि राज्य की जिम्मेदारी और शासन व्यवस्था की प्रभावशीलता पर भी प्रश्नचिह्न है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी अनेक मामलों में सरकारों को सुरक्षित सड़क अवसंरचना, वैज्ञानिक सड़क निर्माण तथा प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। भारत में अधिकांश दुर्घटनाओं के पीछे सड़कों की खराब इंजीनियरिंग एक प्रमुख कारण है। अनेक राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर ब्लैक स्पॉट, अपर्याप्त संकेतक, टूटी हुई सड़कें, अवैज्ञानिक मोड़, प्रकाश व्यवस्था का अभाव तथा पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित मार्ग न होना दुर्घटनाओं को आमंत्रित करता है। शहरों में फुटपाथों पर अतिक्रमण, अवैध पार्किंग तथा अनियोजित यातायात व्यवस्था भी दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ाती है। सड़क निर्माण के दौरान गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की अनदेखी अंततः आम नागरिकों के जीवन पर भारी पड़ती है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन का अभाव है। मोटर वाहन अधिनियम में कठोर दंड का प्रावधान होने के बावजूद तेज गति, शराब पीकर वाहन चलाना, हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग न करना तथा ओवरलोडिंग जैसी समस्याएँ लगातार बनी हुई हैं। कई स्थानों पर यातायात नियमों का पालन केवल पुलिस की उपस्थिति तक सीमित रहता है। यदि निगरानी व्यवस्था तकनीक आधारित और पारदर्शी हो, तो नियमों का पालन स्वतः बढ़ सकता है। सड़क दुर्घटनाओं को सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट इसलिए भी माना जाता है क्योंकि दुर्घटना के बाद समय पर उपचार उपलब्ध न होना बड़ी संख्या में मौतों का कारण बनता है। स्वर्णिम घंटा (Golden Hour) के दौरान यदि पीड़ित को उचित चिकित्सा सहायता मिल जाए तो अनेक जीवन बचाए जा सकते हैं, किंतु ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में एंबुलेंस सेवाओं की कमी, ट्रॉमा सेंटरों का अभाव तथा अस्पतालों तक पहुँचने में देरी के कारण स्थिति गंभीर हो जाती है। कई बार पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के बीच समन्वय की कमी भी राहत कार्यों को प्रभावित करती है। प्रशासनिक स्तर पर भी सड़क सुरक्षा अनेक विभागों में विभाजित उत्तरदायित्व का विषय है। सड़क निर्माण एक विभाग करता है, यातायात नियंत्रण पुलिस के पास होता है, स्वास्थ्य सेवाएँ किसी अन्य विभाग के अधीन होती हैं और स्थानीय निकायों की अपनी अलग भूमिका होती है। इस विखंडित व्यवस्था के कारण दुर्घटना रोकथाम के लिए समन्वित रणनीति विकसित नहीं हो पाती। परिणामस्वरूप जवाबदेही भी स्पष्ट नहीं रहती। सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सबसे पहले सड़कों की इंजीनियरिंग को वैज्ञानिक और सुरक्षित बनाना आवश्यक है। प्रत्येक सड़क परियोजना में सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य किया जाए तथा दुर्घटना संभावित स्थानों की शीघ्र पहचान कर उनका सुधार किया जाए। पैदल यात्रियों, साइकिल चालकों तथा दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं को भी सड़क डिजाइन का अभिन्न भाग बनाया जाना चाहिए। यातायात नियमों के पालन हेतु तकनीक आधारित निगरानी व्यवस्था को व्यापक बनाया जाना चाहिए। स्वचालित स्पीड कैमरे, सीसीटीवी नेटवर्क, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित यातायात प्रबंधन तथा ई-चालान प्रणाली भ्रष्टाचार को कम करने के साथ-साथ नियमों के पालन को भी बढ़ावा देंगे। बार-बार नियम तोड़ने वालों के लाइसेंस निलंबित करने तथा कठोर दंड लागू करने की आवश्यकता है। आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ करना भी अत्यंत आवश्यक है। राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर निश्चित दूरी पर आधुनिक ट्रॉमा सेंटर स्थापित किए जाएँ, एंबुलेंस सेवाओं का विस्तार किया जाए तथा सभी अस्पतालों को दुर्घटना पीड़ितों का तत्काल उपचार सुनिश्चित करने के लिए बाध्य किया जाए। 'गुड समैरिटन' दिशा-निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन भी आवश्यक है, ताकि घायल व्यक्ति की सहायता करने वाले नागरिक किसी कानूनी परेशानी के भय से पीछे न हटें। सड़क सुरक्षा केवल कानून का विषय नहीं बल्कि सामाजिक व्यवहार का भी प्रश्न है। विद्यालयों से लेकर विश्वविद्यालयों तक सड़क सुरक्षा शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। जन-जागरूकता अभियानों के माध्यम से नागरिकों में जिम्मेदार वाहन संचालन की संस्कृति विकसित की जानी चाहिए। अभिभावकों, शिक्षकों, मीडिया तथा नागरिक समाज की सक्रिय भागीदारी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। दीर्घकालिक समाधान के लिए संस्थागत सुधार भी आवश्यक हैं। केंद्र और राज्यों के बीच समन्वित सड़क सुरक्षा ढाँचा विकसित किया जाए, जिसमें नीति निर्माण, वित्तपोषण, निगरानी तथा जवाबदेही की स्पष्ट व्यवस्था हो। जिला स्तर पर सड़क सुरक्षा समितियों को अधिक अधिकार और संसाधन दिए जाएँ। दुर्घटनाओं से संबंधित पुलिस, परिवहन और स्वास्थ्य विभाग के आँकड़ों को एकीकृत कर राष्ट्रीय स्तर पर विश्वसनीय डेटाबेस तैयार किया जाए, जिससे साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण संभव हो सके।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

नवनियुक्त विद्युत विभाग से इंजीनियर हेमराज सिंह मुख्य क्षेत्रीय अभियन्ता ने सहारनपुर क्षेत्र, वासियों के साथ जनसुनवाई कर जनता का जीता दिल

इंजीनियर मुख्य अभियंता हेमराज सिंह के खुले दरबार ने बदली बिजली विभाग की तस्वीर

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। फरियादियों को बिना सिफारिश मिल रहा इंसाफ- सुबह से देर शाम तक समस्याएं लेकर उमड़ रही जनता- लोग बोले- वर्षों बाद मिला ऐसा अधिकारी जो कुर्सी नहीं, जनता की तकलीफ समझता है। सहारनपुर पश्चिम विद्युत वितरण निगम लिमिटेड में मुख्य क्षेत्रीय अभियंता सहारनपुर परिक्षेत्र के रूप में इंजीनियर हेमराज सिंह की तैनाती के बाद बिजली विभाग की कार्यशैली में बड़ा बदलाव दिखाई देने लगा है विभाग में अब आम उपभोक्ताओं की , आवाज सीधे अधिकारियों तक पहुंच रही है। सबसे बड़ी बात यह है कि जिन लोगों के काम कई-कई चक्कर लगाने के बाद भी नहीं होते थे आज वही लोग एक मुलाकात में अपनी समस्या का समाधान पाकर राहत की सांस ले रहे हैं- कार्यालय पहुंचने वाले उपभोक्ताओं का कहना है कि पहले बिजली विभाग में बिना सिफारिश और बिना दलाल के काम होना मुश्किल माना जाता था - घंटों लाइन में लगने के बावजूद अधिकारी मिलने को तैयार नहीं होते थे, लेकिन इंजीनियर हेमराज सिंह के आने के बाद माहौल पूरी तरह बदल गया है अब ऑनलाइन शिकायतों से लेकर सीधे कार्यालय आने वाले हर फरियादी की गंभीरता से सुनवाई हो रही है हालांकि विभाग में जनसुनवाई के लिए अलग-अलग काउंटर और ऑनलाइन व्यवस्था पहले से संचालित है- पूरे जनपद में अलग अलग जगहों पर काउंटर बने है जहां फरियादी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते है। मुख्य क्षेत्रीय अभियन्ता हेमराज सिंह के नेतृत्व में सहारनपुर क्षेत्र में विद्युत संबंधी समस्याओं का निष्पक्ष और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। खास बात यह है कि उनके कार्यालय पर जनसुनवाई का कोई तय समय नहीं है सुबह हो या देर शाम, जरूरतमंद उपभोक्ताओं के लिए उनके दरवाजे हमेशा खुले रहते हैं इंजीनियर हेमराज सिंह का कहना है कि अधिकारी जनता की सेवा के लिए नियुक्त किए जाते हैं, इसलिए समय की बंदिश लगाकर लोगों की परेशानी बढ़ाना उचित नहीं उनका साफ कहना है कि यदि किसी व्यक्ति को समय पर न्याय और समाधान नहीं मिलता तो वही समस्या उसके लिए सबसे बड़ा अन्याय बन जाती है।

शायद यही वजह है कि आज उनका कार्यालय सिर्फ एक सरकारी दफ्तर नहीं, बल्कि परेशान जनता के लिए उम्मीद का दरबार बनता जा रहा है-पीड़ितों का समय पर निस्तारण होने के कारण आज घण्टाघर बिजली विभाग में भीड़ खत्म हो गयी है इसका मुख्य कारण है इंजीनियर हेमराज सिंह द्वारा छोटी छोटी शिकायतों का भी समय पर निस्तारण कराना और उनकी पीड़ा को प्राथमिकता से सुना जाता है।

इंजीनियर हेमराज सिंह

- मुख्य क्षेत्रीय अभियन्ता ने सहारनपुर क्षेत्र, वासियों के साथ जनसुनवाई कर जनता का जीता दिल
- हर समस्या के समाधान के लिये पीड़ित की सुनी जाती है फरियाद
- इंजीनियर हेमराज सिंह मुख्य क्षेत्रीय अभियन्ता सहारनपुर क्षेत्र, नगर हो या देहात सभी फरियादियों की शिकायतों का करते निस्तारण हर समस्या के समाधान के लिये पीड़ित की सुनते हैं फरियाद।
- मुख्यमंत्री की जीरो टॉलरेंस नीति को कर रहे लागू पारदर्शिता संवेदनशीलता समाधान सेवा आपकी समस्या – हमारी प्राथमिकता

जिलाधिकारी ने किया एसटीपी एवं पेयजल पुनर्गठन योजना का स्थलीय निरीक्षण, समयबद्ध पूर्ण करने के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद की जिलाधिकारी कविता मीना ने जनपद में चल रही एसटीपी एवं पेयजल पुनर्गठन योजना का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने एसटीपी प्लांट पर उपचार क्षमता, संचालन, डिस्चार्ज मानकों एवं पेयजल योजना के तहत पाइप लाइन बिछाने, ओवरहेड टैंक, पम्प हाउस एवं घर-घर नल कनेक्शन के कार्यों का जायजा लिया। एसटीपी एवं पेयजल योजना के सभी कार्य निर्धारित मानक एवं समय-सीमा के अंतर्गत पूर्ण किए जाएं। कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। रळढ से उपचारित जल के नमूनों की नियमित जांच कराई जाए। पेयजल योजना में शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वच्छ पेयजल एवं सीवेज उपचार जनस्वास्थ्य से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। इस योजना के पूर्ण होने से जनपद वासियों को शुद्ध पेयजल के साथ-साथ स्वच्छ पर्यावरण भी उपलब्ध होगा।

मानसूनी बारिश में काशीराम आवास की जर्जर इमारतें बनीं खतरा, मरम्मत की मांग

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। जिले में पिछले कई दिनों से रुक-रुक कर हो रही मानसूनी बारिश के बीच नगर पालिका क्षेत्र स्थित काशीराम आवास की जर्जर इमारतें खतरे का सबब बन गई हैं। कई ब्लॉकों की छतों का प्लास्टर गिरने और भवनों में दरारें व धंसाव की घटनाओं से लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जर्जर भवनों की मरम्मत और जल निकासी की समस्या को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। लगातार बारिश के कारण स्थिति और गंभीर हो गई है तथा लोग भय के साये में रहने को मजबूर हैं। लोगों का कहना है कि जिले के प्रमुख अधिकारियों के आवास से कुछ ही दूरी पर स्थित होने के बावजूद काशीराम आवास आज भी बुनियादी सुविधाओं और आवश्यक मरम्मत से वंचित है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से तत्काल निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत एवं जल निकासी की स्थायी व्यवस्था कराने की मांग की है।

एनबीडब्ल्यू वारंट में दो आरोपी गिरफ्तार, न्यायालय भेजे गए

वेलकम इंडिया ब्यूरो

त्रिलोकपुर/सिद्धार्थनगर। त्रिलोकपुर थाना पुलिस ने न्यायालय से जारी गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) के तहत शनिवार को दो वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक हरेकृष्ण उपाध्याय के निर्देशन में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए सरोथर कठौतिया गांव निवासी गोविन्दलाल उर्फ साधू और कन्हैयालाल को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों के विरुद्ध न्यायिक मजिस्ट्रेट, बांसी द्वारा वाद संख्या 3051/24 में धारा 452, 323, 504 व 506 भारतीय दंड संहिता के तहत गैर जमानती वारंट जारी किया गया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद न्यायालय में पेश कर दिया। गिरफ्तारी अभियान में उपनिरीक्षक त्रिभुवन यादव एवं आरक्षी धर्मेन्द्र कुमार गोंड की प्रमुख भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि न्यायालय से जारी वारंटों का समयबद्ध अनुपालन कराया जा रहा है और फरार वारंटियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

नाजनीन सदफ का जामिया मिल्लिया इस्लामिया में हुआ चयन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत दुधवनिया बुजुर्ग की होनहार छात्रा नाजनीन सदफ ने देश के प्रतिष्ठित केंद्रीय विश्वविद्यालय जामिया मिल्लिया इस्लामिया नई दिल्ली की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर पीजी डिप्लोमा इन टीवी जर्नलिज्म (हिन्दी माध्यम) में चयनित होकर गांव, क्षेत्र और तहसील व जनपद का नाम रोशन किया है। नाजनीन सदफ की इस उपलब्धि से परिवार सहित पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उनके पिता इसरारुल हक ने बेटी की सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह उसकी मेहनत लगन और समर्पण का परिणाम है। वहीं बड़े भाई डॉ0 इजहारुल हक, अशरफुल हक इंजीनियर सिराजुल हक, जियाउल हक, एडवोकेट जमीरुल हक तथा इंजमामुल हक ने नाजनीन सदफ के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इसे पूरे परिवार के लिए गौरव का क्षण बताया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान सईद आलम उर्फ बब्बू मौलाना मसीहुद्दीन, आफताब आलम, आजाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र भारती, शोहरतगढ़ विधानसभा के प्रत्याशी नौशाद आलम, मासूम राईनी सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोगों ने नाजनीन सदफ को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। क्षेत्रवासियों ने ने कहा कहा कि नाजनीन सदफ की सफलता ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने साबित कर दिया है कि मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर गांव की बेटियां भी देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों तक अपनी पहचान बना सकती हैं। नाजनीन सदफ की इस उपलब्धि से दुधवनिया बुजुर्ग ही नहीं बल्कि पूरे बढ़नी क्षेत्र और सिद्धार्थनगर जनपद का गौरव बढ़ा है। सभी ने उनके सफल पत्रकारिता जीवन और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं व्यक्त की हैं।

तहसील दिवस से पूर्व जिलाधिकारी ने धौलाना में की गोद भराई, गर्भवती महिलाओं को बांटे पोषण किट

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद के धौलाना तहसील दिवस के आयोजन से पूर्व आज जिलाधिकारी कविता मीना ने धौलाना तहसील परिसर में महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा आयोजित गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने 05 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म विधि-विधान से संपन्न कराई। इस दौरान महिलाओं को फल, सूखे मेवे, हरी सब्जियां एवं पोषण किट प्रदान की गई। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार एवं प्रसव पूर्व देखभाल के बारे में जानकारी दी।

भारत-नेपाल सीमा को लेकर दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियों ने समन्वय बैठक कर बार्डर पर संयुक्त निगरानी पर हुई चर्चा

वेलकम इंडिया ब्यूरो

खुनुवां/सिद्धार्थनगर। भारत-नेपाल बॉर्डर पर शनिवार को सीमा सुरक्षा व्यवस्था, नशीली पदार्थों की तस्करी, मानव तस्करी, गो तस्करी, भारत नेपाल राष्ट्र के अतिरिक्त अन्य राष्ट्र के अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश को रोकने के लिए दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियों की एसएसबी सीमा चौकी के बार्डर चेकिंग पोस्ट भवन में एसएसबी कमाण्डेंट उज्जवल दत्ता की अध्यक्षता में एपीएफ नेपाल, नेपाल पुलिस, एसएसबी, खुनुवां पुलिस व कस्टम विभाग के अधिकारियों व खुनुवां कस्बा के व्यापारियों के साथ बैठक हुई।

समन्वयक बैठक में सीमा चौकियों, एसएसबी की तैनाती, निगरानी व्यवस्था एवं स्थानीय पुलिस व दोनों देशों के समन्वय की स्थिति पर विशेष रूप से चर्चा की गई। बैठक के दौरान अधिकारियों ने सीमा पार से होने वाली तस्करी, नशीली पदार्थों की तस्करी, मानव तस्करी, सीमावर्ती कस्बों में व उससे होने वाले दुष्परिणाम तथा अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर प्रभावी नियन्त्रण सुनिश्चित करने की दिशा में एक दूसरे के सहयोग दिए जाने पर सहमति जताई।

बैठक का उद्देश्य सीमा की सुरक्षा को मजबूत करना और संवेदनशील बिन्दुओं की पहचान कर आवश्यक सुरक्षात्मक कदम उठाना था। बैठक के बाद सहायक कमाण्डेंट अभिषेक सिंह ने अन्य एजेंसियों के साथ बार्डर पर वाहनों व हर आने-जाने वाले लोगों की गहनता से जांच कराने व सीमावर्ती गांवों से अवैध गतिविधियों की सूचना देने की अपील किया। इस दौरान बैठक में एसएसबी सब इंस्पेक्टर पंकज सिंह, चौकी इंचार्ज सुरेश यादव, कस्टम इंस्पेक्टर रमेश कुमार, एपीएफ इंस्पेक्टर हरित बढुवाल, मर्यादपुर पुलिस चौकी इंचार्ज राजेश गिरी, व्यापार मण्डल अध्यक्ष रविन्द्र कुमार गुप्ता, महामंत्री सचमुच त्रिपाठी, सन्तोष कुमार गुप्ता, कुबेर चन्द्र, कृष्ण कुमार मिश्र, अनिल कसौधन सहित अन्य व्यापारी व ग्रामीण मौजूद रहे।

कपिल विहार में पानी की लाइन क्षतिग्रस्त करने पर ठेकेदार को नोटिस

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। शहर के कपिल विहार में पीएनजी लाइन डालने का कार्य कर रही मेरठ की ठेकेदार फर्म को यूपीपीसीएल ने कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए सात दिन के भीतर जवाब देने को कहा है। बीपीसीएल द्वारा ठेकेदार फर्म को यह नोटिस कपिल विहार में पीएनजी लाइन डालते हुए निगम की पानी की पाइप लाइनों को क्षतिग्रस्त करने पर दिया गया है। बीपीसीएल के तकनीकी प्रबंधक विशाल पालीवाल ने कंपनी को भेजे नोटिस में कहा है कि उनकी परफॉर्मेंस लगातार खराब और अनुबंध के तहत निर्धारित मानकों से काफी नीचे रही है। सहारनपुर के कपिल विहार में पाइप लाइन बिछाने के दौरान पानी की पाइप लाइन को काफी नुकसान हुआ है, जिससे स्थानीय निवासियों की पानी की आपूर्ति बाधित हुई है। नोटिस में कहा गया है कि बीपीसीएल अधिकारियों के बार-बार निर्देश के बावजूद पाइप लाइन को ठीक करने का फर्म का रवैय्या भी गैरजिम्मेदार रहा है। बीपीसीएल ने नोटिस में कहा है कि आपका व्यवहार- उचित सावधानी और लगन से काम न करने, खराब तकनीक और साइट पर उचित देखरेख की कमी, नुकसान पहुंचाने के बाद जरुरी सार्वजनिक सुविधाओं को तुरंत ठीक न कर पाना तथा अनुबंध के तहत अपेक्षित सुरक्षा, गुणवत्ता और सार्वजनिक सुविधा के मानकों को बनाए रखने में विफलता को दशार्ता है। इससे जनता को असुविधा हुई है और बीपीसीएल की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। बीपीसीएल ने कंपनी को सात दिन के भीतर कारण बताने की चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि सात दिन के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिलता तो कॉन्टेज्क्ट प्रावधानों के अनुसार कॉन्ट्रेक्ट खत्म करने, सिक्योरिटी जब्त करने आदि अन्य कार्रवाई करने के लिए बीपीसीएल को मजबूर होना पडेगा।

विजिलेंस पुलिस टीम ने कैलाशपुर एसडीओ अंकित त्यागी व जेई श्याम बली वर्मा के साथ ग्राम दतौली मुगल में मिलकर चलाया चेकिंग अभियान

चेकिंग अभियान से बिजली उपभोक्ताओं में मची खलबली

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। विजिलेंस टीम ने बिजली चोरों के खिलाफ चलाया चेकिंग अभियान ग्राम दतौली मुगल में लंबे समय से बिजली चोरी को लेकर मिल रही थी शिकायत। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश सर्तकता पावर कारपोरेशन लखनऊ महोदय के आदेशानुसार व पुलिस अधीक्षक महोदय सर्तकता शक्ति भवन लखनऊ, अपर पुलिस अधीक्षक महोदय डिस्कॉम मेरठ व पुलिस उपाधीक्षक महोदय सर्तकता सहारनपुर परिक्षेत्र इंजीनियर मुख्य अभियंता हेमराज सिंह व अधीक्षण अभियंता दीपक कुमार व अधिशासी अभियंता राजकपूर सहारनपुर के कुशल निर्देशन में प्रभारी प्रवर्तन दल सहारनपुर उपनिरीक्षक रूपचन्द सिंह व नरेन्द्र कुमार अवर अभियन्ता प्रवर्तन दल सहारनपुर के कुशल नेतृत्व में विजिलेंस पुलिस स्टाप हेड कांस्टेबल अरुण कुमार, हेड कांस्टेबल जयकुमार, हेड कांस्टेबल रूबी त्यागी, कांस्टेबल अजय कुमार व कांस्टेबल घनश्याम के साथ व एसडीओ अंकित त्यागी कैलाशपुर व जेई श्याम बली वर्मा के साथ ग्राम दतौली मुगल में सक्सेस स्टोरी व स्मार्ट मीटर पर कार्य करते हुए ग्राम दतौली मुगल में संयुक्त विद्युत चेकिंग अभियान चलाया गया।

विधुत विभाग ने विद्युत विच्छेदन की कार्रवाई करते हुए बिजली चोरी करने वाले लोगों के खिलाफ विद्युत अधिनियम की धारा 135 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है। विभाग ने बताया कि संबंधित उपभोक्ताओं से नियमानुसार राजस्व वसूली की प्रक्रिया भी की जाएगी। कैलाशपुर एसडीओ त्यागी ने बताया विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए इस प्रकार का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

जिले की समस्त तहसीलों में आयोजित हुआ समाधान दिवस, तीनों तहसीलों में कुल 85 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से मौके पर 13 का निस्तारण कर दिया गया

समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी के द्वारा नवजात शिशुओं को दिया पोषण आहार

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद की जिलाधिकारी कविता मीना व पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह की अध्यक्षता में तहसील दिवस धौलाना का आयोजन किया गया। तहसील दिवस धौलाना में आज 32 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से मौके पर संबंधित अधिकारियों के द्वारा 02 का निस्तारण कर दिया गया है। जिलाधिकारी ने तहसील दिवस में उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देश दिए की तहसील दिवस के दौरान जो भी शिकायतें प्राप्त हो रही है उसमें समय सीमा के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना सुनिश्चित करें किसी भी शिकायतकर्ता को परेशान ना किया जाए। शिकायतकर्ता की शिकायत को शांतिपूर्ण सुने तथा उसका निस्तारण समय सीमा के अंतर्गत करना सुनिश्चित करें यदि किसी शिकायत में जाँच का विषय होता है तो तुरंत मौके पर जाकर समस्या की जांच करें। जांच के उपरांत उसका निस्तारण करना सुनिश्चित किया जाए उन्होंने कहा कि शासन स्तर से समाधान दिवस की निरंतर मॉनिटरिंग की जाती है। जिलाधिकारी ने कहा कि तहसील दिवस में प्राप्त शिकायतो को गंभीरता से लेते हुए समय सीमा के अंदर उसका निस्तारण करना सुनिश्चित करें। तहसील दिवस में उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकार सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। इसी क्रम में तहसील दिवस गढ़मुक्तेश्वर अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया जहां पर 31 शिकायत प्राप्त हुई और 07 का मौके पर निस्तारण किया गया। इसके साथ ही हापुड़ तहसील की अध्यक्षता करते हुए मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा के समक्ष 22 शिकायत प्राप्त हुई जिसमें से 4 का मौके पर निस्तारण कर दिया गया है।

मुड़िया मेले से पहले प्रशासन सख्त, मुख्य बाजारों से हटाया अतिक्रमण

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। गिर्राज नगरी में विश्व प्रसिद्ध गुरु पूर्णिमा मेला की शुरूआत 23 जुलाई से होने जा रही है। विश्व प्रसिद्ध गुरु पूर्णिमा मेला में करोड़ों श्रद्धालु अपने आराध्य की परिक्रमा लगाने आते हैं। मेला व्यवस्थाओं के दृस्टिगत प्रशासन भी कोई कोर कसर छोड़ना नहीं चाहता।

श्रद्धालुओं और परिक्रमार्थियों की सुविधा तथा सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए शुक्रवार को प्रशासन ने एसडीएम सुशील कुमार सिंह के नेतृत्व में परिक्रमा मार्ग के मुख्य बाजारों और तिराहे-चौराहों पर भारी पुलिस बल के साथ बड़ा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। हालांकि, वहीं दूसरी ओर मुड़िया मेले जैसे बड़े आयोजन के इस महत्वपूर्ण अभियान के दौरान नगर पंचायत प्रशासन के पदाधिकारियों का नदारद रहना स्थानीय जनता के बीच चर्चा का विषय बना रहा। एसडीएम के निर्देशन में चलाए गए अभियान के दौरान क्षेत्राधिकारी अनिल कुमार सिंह व थाना प्रभारी विनय कुमार मिश्रा फोर्स के साथ मौजूद रहे। अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान अधिकारी पहले बड़ा बाजार पहुंचे, जहां अतिक्रमणकारियों को सख्त हिदायत देते हुए अपना सामान नालियों के पीछे तक ही सीमित रखने के निर्देश दिए।

इसके बाद टीम ने हाथी दरवाजा, सरस्वती तिराहा, सकरवा रोड, डीग अड्डा, दानघाटी मार्ग, एकता तिराहा और बस स्टैंड पर कार्रवाई करते हुए सड़कों पर रखे तख्त-पट्टे और अवैध रेहड़ी-पटरी वालों को हटवाया। अधिकारियों ने दुकानदारों को चेतावनी दी है कि दोबारा अतिक्रमण करने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम सुशील कुमार सिंह ने बताया कि गिर्राज नगरी में विश्व प्रसिद्ध राजकीय गुरु पूर्णिमा मेला में कुछ ही दिन शेष हैं। देश -विदेश से करोड़ों श्रद्धालु हर साल परिक्रमा करने के लिए आते हैं।

मेला के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। उसी क्रम में श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो उसके लिए अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाकर रास्तों से अवैध अतिक्रमण हटवाया गया है। परिक्रमा मार्ग में रेहड़ी, पटरियों, दुकानदारों को सख्त हिदायत दी गई है कि मेला के दौरान किसी भी प्रकार का अतिक्रमण करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अतिक्रमण वाले सामान की जब्त कर लिया जाएगा।

रामनगर-देहरादून रेल सेवा को हरी झण्डी

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड को केन्द्र से एक बड़ी सौगात मिली है। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के साथ रामनगर-देहरादून रेल सेवा का फ्लैग ऑफ कर शुभारंभ किया।

यह नई रेल सेवा कुमाऊँ और गढ़वाल मंडलों के बीच आवागमन को अधिक सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाने के साथ प्रदेश की रेल कनेक्टिविटी को नई गति प्रदान करेगी। साथ ही, पर्यटन, व्यापार एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तराखण्ड में रेल अवसंरचना का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना, रेलवे विद्युतीकरण, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण तथा आधुनिक, सुरक्षित एवं विश्वस्तरीय रेल नेटवर्क के विकास के माध्यम से राज्य में कनेक्टिविटी का एक नया युग स्थापित हो रहा है।

यह विकास यात्रा उत्तराखण्ड को देश के प्रमुख आर्थिक, पर्यटन एवं धार्मिक केंद्रों से और अधिक सशक्त रूप से जोड़ते हुए प्रदेश के समग्र विकास को नई ऊर्जा प्रदान करेगी।

इस अवसर पर माननीय सांसद श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत सांसद श्री अनिल बलूनी, विधायक श्री दीवान सिंह बिष्ट, विधायक श्री अरविंद पांडेय आदि उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति के तहत एंटी रोमियो स्क्वॉड ने चलाया जागरूकता व चेकिंग अभियान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। मिशन शक्ति 5.0 फेज-2 के अंतर्गत शनिवार को एंटी रोमियो स्क्वॉड पुलिस टीम ने जिले के विभिन्न बाजारों, स्कूल-कॉलेजों तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर चेकिंग और जागरूकता अभियान चलाया। प्रभारी एंटी रोमियो स्क्वॉड उपनिरीक्षक मीरा चौहान के नेतृत्व में मोहाना थाना क्षेत्र के मोहाना बाजार, ककरहवा बॉर्डर, रमजान नगर, रमवापुर, बर्डपुर बाजार, मधुबेनिया व पुरानी नौगढ़ सहित कई स्थानों पर महिलाओं और छात्राओं को सुरक्षा संबंधी हेल्पलाइन नंबर 1090, 1098, 112, 181, 1930, 108 और 102 की जानकारी दी गई। टीम ने मुख्य सड़कों और चौराहों पर गश्त कर महिला दुकानदारों से बाजारों में अनावश्यक घूमने वाले शोहदों के संबंध में जानकारी भी जुटाई। अभियान के दौरान कहीं भी कोई अप्रिय स्थिति नहीं मिली। अभियान में महिला हेड कांस्टेबल मंजू मौर्य एवं महिला आरक्षी नेहा सिंह भी शामिल रहीं।

मुड़िया पूर्णिमा मेला का निरीक्षण कर तैयारियों को दिया अंतिम रूप

निरीक्षण में खामियां मिलने पर 20 तक कार्य पूरा करने के निर्देशः डीएम व एसएसपी ने किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

शुजागंज अयोध्या। राजकीय मुड़िया पूर्णिमा मेला को सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। मेला की तैयारियों को लेकर लगातार हुई बैठक के बाद शनिवार को डीएम व एसएसपी ने परिक्रमा मार्ग का निरीक्षण किया। परिक्रमा मार्ग में निरीक्षण के दौरान खामियां मिलने पर 20 जुलाई तक कार्य करने के दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी मथुरा चन्द्रप्रकाश सिंह ने बताया कि 23 जुलाई से 29 जुलाई तक मुड़िया पूर्णिमा मेला सकुशल संपन्न कराने के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं। मेला संबंधी व्यवस्थाओं में कुंडों का बेरिकेटिंग किया गया है।

यातायात एवं भीड़ प्रबंधन के लिए पार्किंग स्थल, बैरियर लगाए गए हैं। परिक्रमार्थियों की सुविधा के लिए बिजली, स्वास्थ्य सुविधाएं, पेयजल आदि की व्यवस्था की जा रही है। स्थायी शौचालयों के अलावा अस्थाई शौचालय जैसी जनसुविधाएं दी जा रही हैं। उन्होंने विगत वर्ष आने वाली भीड़ के अनुमान को देखते हुए व्यवस्थाएं करने को कहा है।

एसएसपी मथुरा श्लोक कुमार ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से पूरे मेला क्षेत्र को 09 सुपर जोन में बांटा है, जिसमें 21 जोन बनाए गए हैं। मेला में 22 सैक्टर बनाए गए हैं, प्रत्येक सैक्टर की जिम्मेदारी में एक मजिस्ट्रेट एवं सीओ सर्किल की तैनाती होगी। सुरक्षा घेरा के लिए मेला क्षेत्र में 06 स्थाई चैकी के अलावा 37 अस्थाई पुलिस चैकी बनाई हैं। प्रत्येक चैकी में प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। भीड़ के बीच प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखने के लिए 31 वॉच टॉवर, जबकि यातायात नियंत्रण के लिए 174 वैरियर लगाए गए हैं। पुलिस विभाग की ओर से कंट्रोल रूम को जोड़ते हुए 183 सीसीटीवी कैमरे, पीए सिस्टम 350 लगाए गए हैं। यूपी रोडवेज की आठ डिपो से 1100 बस संचालित होंगी। अग्नि शमन वाहन 30 लगाए गए हैं।

रूदौली पुलिस ने विद्यालय में पहुंच बालिकाओं, महिलाओं को किया जागरूक

वेलकम इंडिया संवाददाता

शुजागंज अयोध्या । कोतवाली रूदौली पुलिस ने मिशन शक्ति के तहत कैरियर मांटेसरी स्कूल रूदौली में पहुंच छात्र छात्राओं को पंपलेट वितरण कर जागरूक किया गुड टच के विषय में बताया गया।

जानकारी के अनुसार कोतवाली रूदौली में तैनात महिला उप निरीक्षक स्तुति गुप्ता, पल्लवी श्रीवास्तव चौकी प्रभारी नयागंज रवि शर्मा, कांस्टेबल सलमान अली द्वारा शिक्षा क्षेत्र रूदौली के अन्तर्गत कैरियर मांटेसरी स्कूल कस्बा रुदौली में पहुंच मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया गया।

जिसमें उन्हें विभिन्न हेल्पलाइन नंबर 1090, 1930, 112, 102, 108, 181 आदि के बारे में बता बच्चों को गुड टच के बारे में भी जानकारी दी गई। साथ ही साथ सरकार द्वारा क्रियान्वित योजनाओं के बारे में अवगत कराते हुए अन्य जानकारियां साझा की गई।

भेदभाव झेल रहे लाखों पेंशनर्स को अब समय पर मिलेगी महंगाई राहत, मुख्यमंत्री का आभारः पाठक

वेलकम इंडिया ब्यूरो

इंदौर। मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन और छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 17 जुलाई 2026 को संयुक्त रूप से जारी आदेश के माध्यम से राज्य बंटवारे की धारा के बंधन को युक्तियुक्त आधार पर समाप्त किए जाने का लाखों पेंशनर्स हितैषी ऐतिहासिक निर्णय का सहमति आदेश जारी कर दिया गया है। राकेश डीपी पाठक ने कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विगत दिनों एक कार्यक्रम में घोषणा की थी कि राज्य के पेंशनर्स को अब महंगाई राहत और परिवार पेंशन राहत के लिए मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य बंटवारे की धारा 49(6) के बंधन से मुक्ति मिलेगी, अर्थात अब इसके कारण इंतजार नहीं करना होगा। संवेदनशील मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी की इस सराहनीय पहल से आज लाखों पेंशनर्स को मिले तोहफे के कारण उनकी खुशी शब्दों में व्यक्त नहीं की जा सकती है। मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री, मंत्रिमंडल और संबंधित अधिकारियों का हृदय से अभिनंदन और आभार व्यक्त करता है।

इस आदेश से पेंशनर्स को अब समय पर महंगाई राहत और परिवार पेंशन राहत मिलने की आस जगी है, अर्थात अब भेदभाव नहीं होगा। फेडरेशन लंबे समय से लगातार राज्य सरकार, माननीय मुख्यमंत्री और ऊर्जा विभाग से अपील करते हुए आग्रह करता आ रहा था कि पेंशनरों को महंगाई राहत, नियमित कर्मियों के साथ ही समान रूप से देनी चाहिए। नियमित कर्मचारियों के महंगाई भत्ते और पेंशनर्स को देय महंगाई राहत व परिवार पेंशन राहत में लंबे समय से चला आ रहा अंतर अब खत्म होना चाहिए। पाठक ने मुख्यमंत्री मोहन यादव जी से आग्रह किया है कि मध्यप्रदेश शासन के ऊर्जा विभाग के अधीन सभी बिजली कंपनियों के पेंशनर्स की पेंशन की सुरक्षा की गारंटी राज्य सरकार द्वारा लिए जाने का निर्णय लेकर बिजली सेक्टर के पेंशनर्स को राहत प्रदान करें। फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक, लक्ष्मण सिंह राजपूत, खूबचंद शर्मा, एन. के. यादव, उमाशंकर मेहता, दिनेश दुबे, बी. एस. राठौर, सुरेश बाबू खरे, आर. के. कौशिक, अफसार अहमद, रामेश्वर गांगे, सीताराम कुरचानिया, अनूप वर्मा, मदन वर्मा सहित फेडरेशन के सभी साथियों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि फेडरेशन को पूरा विश्वास है कि अब महंगाई भत्ते के साथ ही पेंशनर्स की महंगाई राहत और परिवार पेंशन राहत का आदेश एक साथ जारी किया जाएगा।

रूठे थे पति-पत्नी, मिशन शक्ति की पहल से फिर साथ चले दोनों

वेलकम इंडिया ब्यूरो

मोहाना/सिद्धार्थनगर। मोहाना थाना की मिशन शक्ति टीम ने एक बिखरते परिवार को फिर से जोड़ने में अहम भूमिका निभाई। बेल्टीकर टोला घिरौली निवासी सरिता ने पति शक्तिमान से हुए विवाद को लेकर थाना मोहाना में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत मिलने पर मिशन शक्ति टीम ने दोनों पक्षों की काउंसलिंग की और आपसी मतभेद दूर कराने का प्रयास किया। बातचीत के दौरान पति-पत्नी ने एक-दूसरे की बात समझी और साथ रहने पर सहमति जताई। इसके बाद पुलिस टीम ने दोनों को खुशी-खुशी एक साथ विदा किया। इस काउंसलिंग में मिशन शक्ति प्रभारी उपनिरीक्षक सुनील सिंह, हेड कांस्टेबल विनोद भारती तथा रिक्रूट महिला कांस्टेबल काजल अग्रहरी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान के तहत घरेलू विवादों को संवाद और आपसी समझ से सुलझाने का प्रयास लगातार किया जा रहा है, ताकि परिवार बिखरने से बच सकें।

NEET UG-2026 में ऑल इंडिया रैंक (AIR)-2 हासिल कर पंशुल बंसल ने रचा इतिहास

के.आर. मंगलम वर्ल्ड स्कूल में हुआ भव्य अभिनंदन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। के.आर. मंगलम वर्ल्ड स्कूल, ग्रेटर कैलाश के मेधावी छात्र पंशुल बंसल ने NEET UG-2026 में 715/720 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक (AIR)-2 हासिल करते हुए सफलता का नया इतिहास रच दिया। उनकी इस अभूतपूर्व उपलब्धि ने न केवल विद्यालय, बल्कि अपने माता पिता एवं परिवार को भी गौरवान्वित कर दिया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के उपलक्ष्य में विद्यालय परिसर में भव्य अभिनंदन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में पंशुल को स्मृति-चिह्न एवं सम्मान प्रदान कर उनकी असाधारण सफलता का अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर चेयरमैन श्री इंदर देव गुप्ता ने कहा कि पंशुल की सफलता उनकी कठोर मेहनत, अनुशासन, आत्मविश्वास और उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम दिलाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में श्रेष्ठ बनाने के लिए प्रेरित करना है।

प्रधानाचार्य श्रीमती शालिनी अग्रवाल ने कहा कि पंशुल ने यह सिद्ध कर दिया है कि दृढ़ संकल्प, निरंतर परिश्रम और सही मार्गदर्शन से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। उन्होंने इसे विद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि बताया। पंशुल बंसल ने विद्यार्थियों के साथ संवाद के दौरान अपनी सफलता के सूत्र साझा करते हुए नियमित अध्ययन, समय-प्रबंधन, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच को सफलता की कुंजी बताया। उन्होंने अपनी उपलब्धि का श्रेय माता-पिता, शिक्षकों तथा के.आर. मंगलम वर्ल्ड स्कूल द्वारा मिले उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण और निरंतर प्रोत्साहन को दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालय ने उन्हें केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, व्यक्तित्व विकास और जीवन मूल्यों की भी अमूल्य सीख दी। समारोह में विद्यालय के शिक्षक, पंशुल के अभिभावक तथा छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। समारोह के अंत में पूरे विद्यालय परिवार ने पंशुल बंसल को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे भविष्य में एक कुशल, संवेदनशील और समर्पित चिकित्सक बनकर देश और समाज की सेवा में नई मिसाल कायम करेंगे।

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी में ई-ऑडिट एवं ऑनलाइन लेखा प्रणाली पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी में भारत के महालेखाकार (ए.जी.) कार्यालय प्रयागराज से आई दो सदस्यीय विशेषज्ञ टीम द्वारा विश्वविद्यालय के लेखा विभाग एवं डेटा एंट्री अनुभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए ई-ऑडिट एवं ऑनलाइन लेखा प्रबंधन प्रणाली पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में विशेषज्ञों ने ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से वित्तीय अभिलेखों, लेखा संबंधी दस्तावेजों एवं अन्य आवश्यक विवरणों को डिजिटल रूप से अपलोड करने, ऑनलाइन

अभिलेख प्रबंधन तथा महालेखाकार कार्यालय से सीधे समन्वय स्थापित कर ई-ऑडिट प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से संचालित करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

प्रतिभागियों को डिजिटल लेखा प्रणाली के नवीनतम प्रावधानों, तकनीकी प्रक्रियाओं तथा ऑनलाइन कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी भी दी गई।

डिजिटल लेखा प्रबंधन से बढ़ेगी पारदर्शिता और कार्यों की गति

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों से विभिन्न तकनीकी विषयों पर संवाद स्थापित कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

प्रशिक्षण के समापन पर सभी कर्मचारियों ने ई-ऑडिट एवं ऑनलाइन लेखा प्रणाली का नियमित एवं प्रभावी उपयोग कर विश्वविद्यालय को पूर्णतः डिजिटल, पारदर्शी, उत्तरदायी एवं पेपरलेस प्रशासनिक व्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम-एसएसपी ने सुनी समस्याएं, अधिकारियों को दिए दिशानिर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। तहसील परिसर में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वयं जिलाधिकारी सीपी सिंह एवं एसएसपी श्लोक कुमार ने फरियादियों की समस्या को सुना। 45 फरियादियों ने तहसील पहुंचकर अधिकारियों को अपनी समस्या से अवगत कराया। इस अवसर पर डीएम सीपी सिंह ने बताया कि फरियादियों की ज्यादातर शिकायत चक रोड के संबंध में आ रही हैं। मामलों का निस्तारण विधि अनुसार कराया जा रहा है। एक युवक करीब बीस बार समाधान दिवस में शिकायत

करने आ चुका है। कई बार टीम भेजकर उसकी जमीन की पैमाइश करा दी गई है। परंतु वह संतुष्ट नहीं है, उसके लिए आज फिर एसडीएम गोवर्धन सुशील कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम बनाकर मौके पर जमीन की पैमाइश के लिए भेजा गया था। जिसमें उसने अपनी मालिकाना जमीन से ज्यादा जोत रखी थी, उसके बावजूद भी संतुष्ट नहीं है। पैमाइश के बाद जमीन को निकाला गया है। अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि फरियादियों की समस्या का निराकरण विधि अनुसार जल्द से जल्द पूरा किया जाए। आगामी 23 जुलाई से विश्व प्रसिद्ध मुड़िया पूर्णिमा मेला की शुरूआत होने जा रही है। जिसकी तैयारियां चल रही हैं, सभी अधिकारियों को समय रहते मेला से जुड़े कार्यों को हर हाल में पूरा करने के लिए निर्देशित किया किया गया है। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एसडीएम गोवर्धन सुशील कुमार सिंह, सीओ अनिल कुमार सिंह, थाना प्रभारी विनय कुमार मिश्र आदि थे।

श्रावण मास व कांवड़ यात्रा की तैयारियों का डीएम-एसपी ने लिया जायजा, बिड़हरघाट व बाबा बैजूनाथ धाम का किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार व पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना द्वारा श्रावण मास के शुभारंभ अवसर पर कावड़ यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा व कानून व्यवस्था के दृष्टिगत संयुक्तरुप से तहसील धनघटा अंतर्गत बिड़हरघाट व बाबा बैजूनाथ धाम शिव मन्दिर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा घाट की साफ सफाई, गोताखोरों की उपलब्धता, सीसीटीवी कैमरा, चेंज रुम, लाउड स्पीकर आदि की व्यवस्था/क्रियाशीलता सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। श्रावण मास के दौरान कांवड़ियों/शिव भक्तों द्वारा बिडहर घाट से जल उठाकर बैजूनाथ धाम व तामेश्वर धाम शिव मंदिर पर जलाभिषेक किया जाता है, इसके दृष्टिगत निरीक्षण के दौरान अधिकारीद्वय द्वारा घाट पर साफ-सफाई, कावड़ यात्रियों के आवागमन के रास्तों पर यातायात व्यवस्था का सुचारू संचालन, सड़क सुरक्षा, अवाधित विद्युत आपूर्ति एवं सुरक्षित आवागम की व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए ताकि कावरियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। डीएम व एसपी द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत कांवड़ यात्रियों के आवागमन मार्ग पर सतर्कता के साथ ड्यूटी व निगरानी करने हेतु निर्देशित किया गया जिससे कि आने जाने वाले कावंड़ियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो व कांवड़ यात्रियों की हर सम्भव सहायता उपलब्ध कराने आदि के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा श्रावण मास के दृष्टिगत जनपद में शांति व सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के लिए संबंधित पुलिस अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण करते रहने के निर्देश दिये गये। निरीक्षण के क्रम में श्रावण मास के दौरान कांवड़ियों शिव भक्तों की सुविधाओं का ध्यान रखते हुए जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा बाबा बैजूनाथ धाम शिव मंदिर पर पहुंचकर शिव भक्तों द्वारा जलाभिषेक के दौरान की जाने वाली व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मंदिर परिसर में कहीं-कहीं पर धंसी हुई ईटों को सीएनडीएस के प्रोजेक्ट मैनेजर को ठीक कराने हेतु निर्देशित किया गया, साथ ही साथ जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी एवं एडीओ पंचायत को निर्देशित किया कि मंदिर परिसर में साफ सफाई की व्यवस्था नियमित एवं सुदृढ़ रखी जाए जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की सुविधा न हो।

साइबर ठगी के शिकार पीड़ित को राहत, खलीलाबाद साइबर सेल ने लौटाए 10,000

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में चलाए जा रहे क्रैक साइबर क्राइम अभियान के तहत साइबर अपराधों की रोकथाम एवं पीड़ितों को त्वरित राहत दिलाने के उद्देश्य से साइबर सेल थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस टीम प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश दूबे, अपराध निरीक्षक वीरेन्द्र कुमार यादव (प्रभारी साइबर सेल), आरक्षी रविकान्त कुशवाहा, महिला आरक्षी शिवांगी सिंह, रि0आ0 अनुज शुक्ला, रि0आ0 ऋतिक वर्मा ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक साइबर ठगी के पीड़ित को 10,000 की धनराशि सफलतापूर्वक वापस कराई गई । वादी बनरासी गुप्ता पुत्र स्व. रामअवध गुप्ता निवासी ग्राम एकमा, थाना कोतवाली खलीलाबाद, जनपद संतकबीरनगर ने दिनांक 08.05.2026 को साइबर हेल्प डेस्क थाना कोतवाली खलीलाबाद पर प्रार्थना पत्र देकर शिकायत दर्ज कराई थी कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने AEPS (Aadhaar Enabled Payment System) के माध्यम से कूटरचित एवं अवैध फिंगरप्रिंट का प्रयोग कर उनके बैंक खाते से 10,000 की धनराशि धोखाधड़ीपूर्वक निकाल ली। शिकायत प्राप्त होने पर साइबर हेल्प डेस्क पर तैनात आरक्षी रविकान्त कुशवाहा द्वारा तत्काल आवश्यक कार्रवाई करते हुए संबंधित बैंक एवं अन्य माध्यमों से प्रभावी पैरवी की गई। पुलिस की त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही के परिणामस्वरूप पीड़ित के 10,000 उसके बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस करा दिए गए ।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में विधायक, डीएम व एसपी ने सुनीं जनसमस्याएं, समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। शनिवार को विधायक धनघटा गणेश चौहान, जिलाधिकारी आलोक कुमार एवं पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने तहसील धनघटा में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रतिभाग किया गया। इस दौरान जनसुनवाई के दौरान फरियादियों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा उपस्थित राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। विशेष रूप से राजस्व एवं पुलिस विभाग से संबंधित प्रकरणों का आपसी समन्वय स्थापित कर प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए गए। विधायक, जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, प्रभावी एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को त्वरित न्याय एवं राहत मिल सके।

सड़क हुआ बदहाल, एवं जलभराव, नाराज ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

वेलकम इंडिया संवादादाता

संतकबीरनगर। । बेलहर विकास खंड क्षेत्र में राजघाट से जंगल दशहर मार्ग पर पिपरी गांव के पास सड़क पर जगह-जगह जलभराव और कीचड़ से आवागमन बाधित हो गया है। इससे परेशान ग्रामीणों ने शनिवार को प्रदर्शन कर सड़क की मरम्मत और जलनिकासी की व्यवस्था की मांग की। यह सड़क पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा बनाया गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है, जिससे स्थानीय निवासियों, राहगीरों और स्कूली छात्र-छात्राओं को रोजाना भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि इसी मार्ग से अगियौना ,तिलहवां सुरसा चमनजोत, सरबसडाडी, अमरडोभा,जंगल दशहर, नटेलवा सहित आसपास के गांवों के छात्र-छात्राएं इसी मार्ग से जूनियर एवं प्राथमिक विद्यालयों के साथ-साथ पिपरी स्थित विद्यालय, मोहन धनसीरा इंटर कॉलेज और डिग्री कॉलेज तक आते-जाते हैं। कीचड़ भरे रास्ते पर कई बार लोग फिसलकर गिर जाते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से शीघ्र सड़क की मरम्मत, जलनिकासी की समुचित व्यवस्था और आवागमन सुचारु कराने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे चक्का जाम करने को बाध्य होंगे। प्रदर्शन करने वालों में मनराज, हरिभजन, अयोध्या प्रसाद, बहादुर, रामदौड़, रामू, राम सिंह तीजू , गुरदीन सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे। जानकारी के लिए आपको बताते चलें कि यह मार्ग राजघाट से पिपरी गांव होते हुए जंगल दशहर लोहरौली बाजार को जोड़ने वाली सड़क है प्रतिदिन हजारों लोगों का इस मार्ग पर आवागमन होता रहता है क्योंकि कम समय में इस मार्ग से अधिक दूरी तय हो जाती है। परन्तु कीचड़ और जलजमाव एवं सड़क की बदहाली से आमजन मानस परेशान हैं लोगों की मांग व्यवस्था सही किया जाएं।

संपूर्ण समाधान दिवस : डीएम ने फरियादियों की सुनी समस्याएं, लाभार्थियों को मिली योजनाओं की सौगात

वेलकम इंडिया ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील सदर के लोकसभागार में डीएम अंजनी कुमार सिंह, एसपी डॉ ख्याति गर्ग, सीडीओ अभिषेक कुमार ने एक ओर जहां फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं, वहीं दूसरी ओर जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को टूलकिट प्रदान की।

जनसुनवाई के दौरान डीएम व एसपी ने अन्य अधिकारियों के साथ प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लिया और स्पष्ट निर्देश दिए कि जनशिकायतों की निष्पक्ष जांच कर समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। डीएम अंजनी कुमार सिंह ने अधिकारियों से कहा कि शासन की प्राथमिकताओं में जनसमस्याओं का समाधान सर्वोपरि है। गरीब एवं जरूरतमंद व्यक्तियों की समस्याओं का संवेदनशीलता से तुरंत समाधान करते हुए उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि शिकायतकताओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए संतोषजनक निस्तारण करें और भूमि विवादों में राजस्व-पुलिस की संयुक्त टीम तत्काल कार्यवाही करे।

इस समाधान दिवस में कुल 61 शिकायती प्रार्थना पत्र पंजीकृत हुए, जिनमें से 06 का मौके पर निस्तारण किया गया। प्राप्त शिकायतों में राजस्व विभाग की 29, पुलिस विभाग की 14, विकास विभाग की 07, आपूर्ति 06 और विद्युत विभाग की 03, कृषि की 02 शिकायतें शामिल रहीं। सभी प्रार्थना पत्रों को पृष्ठांकित कर संबंधित विभागों को शीघ्र निस्तारण हेतु सौंपा गया। इस दौरान एसडीएम चलुवराजू आर, तहसीलदार मुकेश कुमार, पीडी डीआरडीए सतीश कुमार पाण्डेय, डीडीओ गजेंद्र प्रताप सिंह सहित जनपदीय अधिकारी उपस्थित रहे।

समाधान दिवस पर मुस्कुराए चेहरे : लाभार्थियों को मिली योजनाओं की सौगात

संपूर्ण समाधान दिवस जनपद में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का साक्षी बना। डीएम अंजनी कुमार सिंह, एसपी डॉ ख्याति गर्ग ने स्वयं लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ सौंपा। मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत 05 लाभार्थियों को स्वीकृत प्रमाण पत्र प्रदान किए। वही 05 लाभार्थियों को पौध का वितरण किया।

तालाब की जमीन पर दबंगो का अवैध कब्जा,कार्रवाई के आदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

मिजार्मुराद। वाराणसी बड़ागांव थाना क्षेत्र के बलुआ गांव में सरकारी तालाब की भूमि पर कथित रूप से दबंगों द्वारा भवन एवं बाउंड्रीवाल का निर्माण कर अवैध कब्जा किए जाने का मामला सामने आया है।

इस संबंध में गांव के समाजसेवी विकास सिंह ने उपजिलाधिकारी पिंडरा कुंदन राजकपूर को प्रार्थना पत्र देकर सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त कराने की मांग की। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ग्राम पंचायत बलुआ में आराजी नंबर 187 रकबा 00730 यानी लगभग पौने छह बिस्वा सरकारी तालाब की भूमि पर दबंगों द्वारा भवन व बाउंड्रीवाल का निर्माण कर कब्जा कर लिया गया है, जिससे सार्वजनिक संपत्ति का स्वरूप प्रभावित हो रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम पिंडरा ने संबंधित राजस्व

अधिकारियों को तत्काल भूमि का सीमांकन कराने तथा यदि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा पाया जाए तो नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उसे कब्जा मुक्त कराने के निर्देश दिए हैं। अब ग्रामीणों की नजर प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी है। यदि जांच में शिकायत सही पाई जाती है, तो अवैध निर्माण हटाने और सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने की कार्रवाई की जाएगी। समाजसेवी विकास सिंह का कहना है कि दबंगों द्वारा सरकारी गड़हे को पाट कर भवन व बाउंड्रीवाल का निर्माण करवा लिए जाने से एक तरफ जहां बारिश के पानी की जल निकासी नहीं हो पा रही है तो वही दूसरी तरफ सरकारी संपत्ति का भारी नुकसान हो रहा है। इस मामले में शनिवार को तहसील दिवस पर एसडीएम पिंडरा को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग किया है,उन्होंने त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। मामले में तहसीलदार पिंडरा नेहा राजवंशी ने बताया कि सरकारी तालाब की भूमि पर अस्थाई निर्माण हुआ होगा तो उसे तत्काल हटवा दिया जाएगा। यदि भवन या बाउंड्रीवाल का निर्माण करवाया गया होगा तो अवैध कब्जा धारक के विरुद्ध धारा 167 की कार्रवाई की जाएगी।

नीट में सफल मोहम्मद कैफ को किया गया सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। मोहम्मद कैफ पुत्र मो इसहाक ने नीट में कड़ी मेहनत के पश्चात तीसरे प्रयास में सफलता अर्जित की है। नीट 2026 के रिजल्ट में मो कैफ ने 606 अंक के साथ 8163 आल इंडिया रैंक प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर चौरहा ग्राम वासी सहित इनके स्कूल अलहिरा ग्लोबल एकेडमी स्कूल सेमरियावां में शिक्षकों और छात्रों में खुशी व्याप्त है।

शनिवार को एक सादे सम्मान समारोह में मो कैफ और महफूज अहमद प्रधान को विद्यालय के प्रबंधक मौलाना फुजैल अहमद नदवी,प्रिंसिपल माशूक अहमद ने विद्यालय में स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इनके उज्जवल भविष्य की कामना की। चोरहा निवासी मो कैफ के पिता किसान परिवार से हैं। चोरहा के प्रधान महफूज अहमद ने अपने भांजे मो कैफ की नीट में कामयाबी पर खुशी व्यक्त किया है। ये हमारे गांव के लिए बहुत बड़ी उबलब्धी है।

छोटे से गांव के बच्चे ने अपनी कड़ी मेहनत से बड़ी सफलता हासिल की है।गांव और परिवार में खुशी व्याप्त है। इस अवसर पर विद्यालय के नौशाद अहमद, आशीष शर्मा, अरुण कुमार, आकाश कुमार, त्रिभवन कुमार गौतम, शफीक अहमद, अदनान अहमद, आयशा खातून, नुसरत परवीन, फरहाना, हिना खातून मशहूर आलम चौधरी ,मो अहमद, मुनीर हसन चौधरी, शमशेर अहमद प्रधान, मुजीबुल्लाह प्रिंसिपल, जफीर अली करखी, मो मोकर्रम खान, एजाज अहमद करखी, अब्दुल अजीम नदवी, वसीम अहमद, फैजान अहमद, फुजेल अहमद नदवी, अब्दुल सत्तार वकील अहमद अंसारी आदि ने इस बड़ी उपलब्धि पर बधाई दिया है।

आईसीएआई वाराणसी शाखा की खेल प्रतियोगिता संपन्न,शतरंज,टेबल टेनिस व कैरम में विजेताओं का हुआ सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की वाराणसी शाखा द्वारा सदस्यों में खेलों के प्रति रुचि,स्वस्थ प्रतिस्पर्धा तथा आपसी सौहार्द को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शतरंज, टेबल टेनिस एवं कैरम प्रतियोगिता का आयोजन 18 जुलाई 2026 शनिवार को आईसीएआई भवन,प्लॉट नम्बर 2बी, प्रेमचंद नगर कॉलोनी पांडेयपुर वाराणसी में किया जिसमे 100 से अधिक सीए एवं सीए छात्र छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ शाखा अध्यक्ष सीए वैभव मेहरोत्रा ने उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं एवं सीए सदस्यों के स्वागत भाषण द्धारा किया।

शतरंज प्रतियोगिता में सीए सदस्यों प्रथम स्थान पर सीए अजीत कुमार पटेल एवं द्वितीय स्थान पर सीए सुकान्त राय रहें और टेबल टेनिस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सीए मुहम्मद शकील एवं द्वितीय स्थान पर सीए सुकान्त राय को विजेता चुना गया। केरम प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सीए रंजीत कुमार पांडेय एवं द्वितीय स्थान पर सीए अमित कुमार विश्वकर्मा को विजेता चुना गया।

कार्यक्रम का समापन शाखा सचिव सीए रंजीत कुमार पांडेय के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। कार्यक्रम में शाखा के उपाध्यक्ष सीए विकास द्विवेदी,शाखा कोषाध्यक्ष एवं सिकासा अध्यक्ष सीए नमन कपूर एवं सीए द्विजेन्द्र कुमार सिंह सीए मयूख दवे सीए मोहम्मद जैद सीए समृद्ध एवं सीए मलय विशंभर की भी उपस्तिथि रही।

मेघगर्जन, वज्रपात और तेज हवाओं की चेतावनी, 'दामिनी' और 'सचेत' ऐप डाउनलोड करें: ए डी एम

वेलकम इंडिया ब्यूरो

प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) आदित्य कुमार प्रजापति ने मौसम विभाग द्वारा जारी पूवार्नुमान के मद्देनजर जनपद में आगामी दिनों के दौरान मेघगर्जन, वज्रपात, तेज आंधी और भारी वर्षा की संभावना को देखते हुए अलर्ट जारी किया है। उन्होने आमजन से सतर्क रहने तथा मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करने की अपील की है। उन्होने बताया है कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) लखनऊ द्वारा जारी चेतावनी के तहत जनपद प्रतापगढ़ में 18 जुलाई से 21 जुलाई तक सक्रिय मानसूनी परिस्थितियों के कारण मेघगर्जन, वज्रपात, तेज हवाएं तथा कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। इस दौरान हवा की गति 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तथा झोंकों के साथ 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। उन्होने बताया कि दिनांक 18 एवं 19 जुलाई को यलो जोन तथा 20 एवं 21 जुलाई को जिले को ऑरेन्ज जोन में रखा गया है।

उन्होने बताया है कि यदि आप खुले में हो तो शीघ्रातिशीघ्र किसी पक्के मकान में शरण लें, व्यर्थ की यात्रा से बचें, खिड़कियों, दरवाजे, बरामदे एवं छत से दूर रहे, ऐसी वस्तुएं जो बिजली की सुचालक हैं, उनसे दूर रहें। बिजली के उपकरणों या तार के साथ संपर्क से बच्चे व बिजली के उपकरणों को विजली के संपर्क से हटा दें। तालाब और जलाशयों से भी दूरी बनाये रखें। समूह में न खड़े हो, बल्कि अलग-अलग खड़े रहें।

यदि आप जंगल में हो तो बोने एवं घने पेड़ों के शरण में चले जायें। बाहर रहने पर धातु से बनी वस्तुओं का उपयोग न करें। बाइक, बिजली या टेलीफोन का खंभा, तार की बाड़, मशीन आदि से दूर रहें। धातु से बने कृषि यंत्र-डंडा आदि से अपने को दूर कर दें। आसमानी बिजली के झटके से घायल होने पर पीड़ित व्यक्ति को तत्काल नजदीकी प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र लें जाने की व्यवस्था की जानी चाहिए। स्थानीय रेडियों अन्य संचार साधनों से मौसम की जानकारी प्राप्त करते रहें।

यदि आप खेत खलिहान में काम कर रहे हो और किसी सुरक्षित स्थान की शरण न ले पायें हो तो जहां हैं यहीं रहें, हो सके तो पैरों के नीचे सूखी चीजें से जैसे लकड़ी, प्लास्टिक, बोरा या सूखे पत्ते रख लें तथा यथाशीघ्र सुरक्षित स्थान पर शरण लें, दोनो पैरों को आपस में सटा लें एवं दोनों हाथों से कानों को बंद कर अपने सिर को जमीन की तरफ यथा संभव शरीर को झुका लें तथा सिर को जमीन से न सटाए, जमीन पर कदापि न लेटें, ऊंचे इमारत वाले क्षेत्रों में शरण नहीं लें।

साथ ही बिजली एवं टेलीफोन के खंभों के नीचे कदापि शरण नहीं लें, क्योंकि ऊंचे वृक्ष, ऊंची इमारते एवं टेलीफोन/बिजली के खम्भे आसमानी बिजली को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

पैदल जा रहे हो तो धातु की डंडी वाले छातों का उपयोग न करें। यदि घर में हों तो पानी का नल, फ्रिज, टेलीफोन आदि को न छुए। एडवाइजरी में कहा गया है कि बिजली गिरने की घटनाओं से बचाव के लिए सचेत एवं दामिनी मोबाइल ऐप को अनिवार्य रूप से डाउनलोड करें, जिससे मौसम संबंधी पूर्व चेतावनी समय रहते प्राप्त हो सके और संभावित क्षति को कम किया जा सके।

उन्होने कृषि मौसम आधारित पूवार्नुमान में किसानों को फसलों की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय अपनाने की सलाह दी गई है। गन्ना, दलहन, मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली तथा सब्जी फसलों में नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करने, मल्चिंग अपनाने तथा तेज हवा और वर्षा से फलों एवं सब्जियों को बचाने के उपाय करने की अपील की गई है। आम, केला और पपीता उत्पादकों को भी तेज हवा और अत्यधिक तापमान से फलों को होने वाले नुकसान से बचाव के लिए विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। आमजन से अपील की गई है कि मौसम संबंधी ताजा सूचनाओं पर नजर रखें और किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन द्वारा जारी निदेर्शों का पालन करें।

दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था है भारत : योगी

प्रगति का आधार आत्म अनुशासन: बुलंदशहर ने देश को सबसे अधिक सैनिक दिए

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि देश 1947 में आजाद हुआ और 1945 में जापान के प्रमुख नगर पर परमाणु बम गिराकर लाखों लोगों को मार दिया गया। दोनों देशों के सामने एक जैसी परिस्थितियों थीं। देश ने मोदी के नेतृत्व में प्रगति की है, जिसके चलते भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बना है।

शनिवार को हेलीकॉप्टर से पहुंचे शिकारपुर खुर्जा रोड स्थित रज्जू भैया सैनिक विद्या मंदिर खंडवाया में अपने स्वागत समारोह में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपना भाषण शुरू करने से पहले भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे बोले। उसके बाद उन्होंने कहा कि 1945 में पहली बार दुनिया में परमाणु बम का दुरूपयोग हुआ। जब जापान के शहरों पर परमाणु बम गिराकर लाखों लोगों की हत्या कर दी गई।

जिस कारण जापान आर्थिक रूप से पिछड़ गया। उन्होंने कहा कि उनको जापान जाने का अवसर मिला तो देखा कि जापान दुनिया के एक विकसित अर्थव्यवस्था वाला देश बन चुका है। दुनिया में विकसित देश के रूप में जापान का नाम शामिल है। ऐसा तब हो सका, जब जापान परमाणु हमले के बाद टूटा नहीं, झुका नहीं, थका नहीं। जापान की टेक्नोलॉजी गजब की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर दुनिया में अनुशासन देखना है तो जापान के अंदर देखा जा सकता है। वहां जाति, समाज और देश की प्रगति का आधार आत्म अनुशासन है। रज्जू भैया सैनिक विद्या मंदिर के छात्र के अंदर आत्म अनुशासन भरा होना चाहिए क्योंकि यह महत्वपूर्ण है। आत्म अनुशासन इसलिए भी जरूरी है कि भविष्य इनका इंतजार कर रहा है। यह शिक्षण संस्था देश की रक्षा में सैन्य कर्मियों को तैयार करने की दिशा में कार्य कर रहा है।

यहां के छात्रों के साथ एक ऐसा नाम जुड़ा हुआ है जो अपने आप में आत्म अनुशासन की मिसाल है। प्रख्यात वैज्ञानिक रज्जू भैया दुनिया के सबसे बड़े राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सामाजिक संगठन के चतुर्थ सरसंघचालक थे। उन्होंने लाखों लोगों को नेतृत्व प्रदान करते हुए अनेकों प्रकल्पों पर कार्य किया और एक नई दिशा दी। उनका व्यक्तित्व चमत्कारिक था। मुख्यमंत्री ने छात्रों से कहा कि उन्हें याद रखना है कि अनुशासन उनके जीवन का सबसे बड़ा मित्र है। राष्ट्र का प्रथम भाव उनके अंतकरण में हो। राष्ट्र के प्रति कर्तव्य वही है, जो अपने पाठ्यक्रमों को समय से पूरा करने, अपने को भारत और भारतीयता से जोड़कर सदैव तत्पर रहना सिखाता है। दुनिया के अंदर वही आगे बढ़े, जिसने अनुशासन, निरंतर परिश्रम और प्रयास किया है। उसी ने इतिहास रचा है। छात्र नया इतिहास बनाने की दिशा में प्रयास करें। उन्होंने कहा कि रज्जू भैया सैनिक विद्या मंदिर में जल्द ही छात्राओं को भी प्रवेश मिलेगा। जिसके छात्रावास का नाम रज्जू भैया की मां के नाम पर रखा जाएगा। बुलंदशहर का नाम लेते हुए योगी ने कहा कि बुलंदशहर ने देश को सबसे अधिक सैनिक दिए हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री ने रज्जू भैया सैनिक स्कूल को भूमि प्रदान करने वाले राजपाल सिंह को जोरदार तरीके से सम्मानित किया। कार्यक्रम में विद्या भारती पश्चिम क्षेत्र के अध्यक्ष मनवीर, पूर्व मंत्री व भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह, नगर नगर पालिका की चेयरपर्सन राजबाला देवी सैनी, नरेश चंद सिंघल, डॉक्टर रूपनारायण, सीएल बरेजा आदि शामिल रहे।

'ना कर्फ्यू, ना दंगा बुलंदशहर चंगा': मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

574 करोड़ की 57 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास, लाभार्थियों को वितरित किए आयुष्मान कार्ड, आवास की चाबियां व स्वीकृति पत्र

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। जिला प्रदर्शनी मैदान में आयोजित विशाल जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 574 करोड़ से अधिक लागत की 57 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

इस दौरान उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड, आवास की चाबियां, स्वीकृति पत्र एवं प्रतीकात्मक चेक वितरित किए।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'आज बुलंदशहर में ना दंगा है, ना कर्फ्यू है बुलंदशहर तो चंगा है।'

उन्होंने कहा कि प्रदेश में सुशासन, मजबूत कानून व्यवस्था और विकास कार्यों के कारण उत्तर प्रदेश नई पहचान बना रहा है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर ने अध्यक्षता की, जबकि भाजपा जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने सभी अतिथियों एवं जनसमूह का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सांसद, मंत्री, विधायक, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वाराणसी का गौरव बढ़ाएँगी मिसेज एशिया विजयता सचदेवा, 'काशी नवरत्न अलंकरण' सम्मान से होंगी सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। काशी की प्रतिष्ठित सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक संस्था गुरु कृपा फाउंडेशन द्वारा समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए वाराणसी की मिसेज एशिया विजयता सचदेवा को प्रतिष्ठित 'काशी नवरत्न अलंकरण' सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। संस्था की ओर से जारी आमंत्रण पत्र के अनुसार यह सम्मान समारोह 19 जुलाई 2026 (रविवार) को सायं 5:00 बजे बाल विश्व विद्यालय, प्रह्लाद घाट, वाराणसी में आयोजित होगा। समारोह में समाजसेवा, शिक्षा, संस्कृति, कला, चिकित्सा, महिला सशक्तिकरण एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विशिष्ट हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा। वाराणसी की मिसेज एशिया विजयता सचदेवा को समाजसेवा के प्रति उनकी निष्ठा, समर्पण और जनकल्याण के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए इस प्रतिष्ठित सम्मान हेतु चयनित किया गया है। गुरु कृपा फाउंडेशन का मानना है कि उनके सामाजिक कार्य समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं तथा सेवा के क्षेत्र में उनका योगदान अत्यंत सराहनीय रहा है। सम्मान की घोषणा पर विजयता सचदेवा ने गुरु कृपा फाउंडेशन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उनके लिए गर्व का विषय होने के साथ-साथ समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को और अधिक समर्पण के साथ निभाने की प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि वे भविष्य में भी समाजहित, महिला सशक्तिकरण एवं जनकल्याण के कार्यों में पूरी निष्ठा के साथ सक्रिय योगदान देती रहेंगी।

पूर्वी उत्तर प्रदेश में गैलेक्सी हेल्थ इंश्योरेंस की बड़ी पहल, वाराणसी में क्षेत्रीय कार्यालय का शुभारंभ

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। भारत की सबसे तेजी से बढ़ती स्टैंडअलोन स्वास्थ्य बीमा (हेल्थ इंश्योरेंस) कंपनियों में से एक, गैलेक्सी हेल्थ इंश्योरेंस ने वाराणसी में एरिया ऑफिस शुरू करते हुए पूर्वी उत्तर प्रदेश में अपने विस्तार की घोषणा की है। यह कदम कंपनी की अखिल भारतीय विकास रणनीति की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है जो उत्तर भारत में इसकी उपस्थिति को मजबूत करता है और देश के सबसे बड़े और तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य बीमा तक पहुंच बढ़ाता है। स्वास्थ्य बीमा के लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश दीर्घकालिक विकास की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण बाजार है। इसके पीछे स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता, स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ता खर्च, चिकित्सा अवसंरचना में सुधार और परिवारों की बढ़ती आकांक्षाएं प्रमुख कारण हैं। पूर्वांचल के केंद्र में स्थित वाराणसी की मजबूत कनेक्टिविटी और तेजी से विकसित हो रहा स्वास्थ्य सेवा तंत्र इसे पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए एक आदर्श क्षेत्रीय हब बनाता है। वाराणसी एरिया ऑफिस पूर्वी उत्तर प्रदेश में गैलेक्सी हेल्थ इंश्योरेंस के कारोबार का मुख्य परिचालन केंद्र होगा। कंपनी अपने सलाहकार नेटवर्क का विस्तार करने, अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ साझेदारी मजबूत करने, अपने कैशलेस अस्पताल नेटवर्क का उल्लेखनीय विस्तार करने, ग्राहक सेवाओं को बेहतर बनाने तथा दावों के तेज निपटान में सहायता प्रदान करने पर विशेष ध्यान देगी। इसके साथ ही यह टियर-2 और टियर-3 शहरों में पहली बार स्वास्थ्य बीमा खरीदने वाले ग्राहकों, स्व-रोजगार से जुड़े लोगों, एमएसएमई और परिवारों के बीच स्वास्थ्य बीमा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इसके अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिए भी पहल करेगा। क्षेत्र में अपनी दीर्घकालिक विस्तार रणनीति के तहत गैलेक्सी हेल्थ इंश्योरेंस का लक्ष्य वर्ष 2026-27 के दौरान 1,500 से अधिक बीमा सलाहकारों को जोड़ना, पूर्वी उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य बीमा कवरेज का विस्तार करना और अपने स्वास्थ्य सेवा प्रदाता नेटवर्क को मजबूत करना है। गैलेक्सी हेल्थ इंश्योरेंस के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ जी.श्रीनिवासन ने कहा 'भारत में स्वास्थ्य बीमा विकास का अगला चरण उभरते शहरों और जिलों से आएगा, जहां लोगों में जागरूकता बढ़ रही है स्वास्थ्य अवसंरचना बेहतर हो रही है और परिवार बढ़ते चिकित्सा खर्चों से वित्तीय सुरक्षा चाहते हैं। हमारा मानना है कि स्वास्थ्य बीमा विश्वास, सेवा और आसान पहुंच पर आधारित है इसलिए स्थानीय स्तर पर मजबूत उपस्थिति स्थापित करना हमारी विस्तार रणनीति का प्रमुख आधार है। यह विस्तार 2024 में परिचालन शुरू होने के बाद से गैलेक्सी हेल्थ इंश्योरेंस की तेज प्रगति को और आगे बढ़ाता है। कंपनी वर्तमान में पूरे भारत में 75 कार्यालयों के माध्यम से काम करती है और 9,25,000 (सवा नौ लाख) से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान करती है।

भूजल बचाने को 'मिशन मोड' में उतरा खीरी, डीएम ने दिलाई जल संरक्षण की शपथ

वेलकम इंडिया संवाददाता

लखीमपुर खीरी। भूजल स्तर में लगातार गिरावट को देखते हुए जिला प्रशासन ने जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की कवायद तेज कर दी है। भूजल सप्ताह (16 से 22 जुलाई) के तहत शनिवार को तहसील सदर के लोकसभागार में आयोजित बैठक में डीएम अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि जल संरक्षण अब विकल्प नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम का संयोजन सहायक अभियंता (लघु सिंचाई) ने किया। बैठक में एसएसपी डॉ. ख्याति गर्ग, सीडीओ अभिषेक कुमार, एसडीएम सदर/ज्वाइंट मजिस्ट्रेट चिलुआ राजू आर, एएसपी विवेक तिवारी समेत सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम ने कहा कि कृषि, पेयजल, सिंचाई और उद्योगों की बढ़ती जरूरतों के कारण भूजल पर दबाव बढ़ा है और कई क्षेत्रों, विशेषकर शहरों में, भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, तालाब-चेकडैम निर्माण, ड्रिप व स्प्रिंकलर सिंचाई जैसी जल संरक्षण तकनीकों को बढ़ावा देने के साथ अनियंत्रित भूजल दोहन पर भी प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित कर रही है।

डीएम ने बताया कि जिले की सभी ग्राम पंचायतों, विकास खंडों और नगरीय निकायों में 'जल संरक्षण का करें संकल्प, इसका नहीं है कोई विकल्प' थीम पर सात दिवसीय जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने अभियान के तहत चिन्हित जलाशयों के पुनर्जीवन के लिए श्रमदान, ग्राम पंचायतों में पेयजल एवं स्वच्छता समितियों की बैठक, जागरूकता रैलियां, दीवार लेखन, पोस्टर अभियान, वर्षा जल संचयन स्थलों की पहचान, रिचार्ज पिट निर्माण, पौधारोपण, जल संरक्षण शपथ, ड्रिप-स्प्रिंकलर तकनीक का प्रदर्शन, विद्यालयों में पोस्टर व निबंध प्रतियोगिताएं तथा जल गुणवत्ता परीक्षण शिविर जैसी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए।

सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि अभियान का उद्देश्य जनभागीदारी और विभागीय समन्वय के जरिए जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देना है। बैठक के अंत में डीएम अंजनी कुमार सिंह ने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को जल संरक्षण की शपथ दिलाते हुए आह्वान किया कि 'हर बूंद बचाने का संकल्प ही भविष्य को सुरक्षित करेगा। जल बचेगा, तभी कल बचेगा।'

सड़क हादसे में दिल्ली से लौट रहे व्यक्ति की मौत, समय पर एंबुलेंस न मिलने का आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। कोतवाली क्षेत्र में शनिवार सुबह को हुए एक भीषण सड़क हादसे में 40 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसा गांव रानऊ के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने एक लोडर टेंपो को टक्कर मार दी। मृतक की पहचान प्रमोद (40) पुत्र खान चंद, निवासी ग्राम सालाबाद (थाना छतारी) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, प्रमोद दिल्ली में फल बेचने का काम करता था और शनिवार सुबह करीब चार बजे लोडर टेंपो से अपने गांव लौट रहा था। शिकारपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव रानऊ के निकट पहुंचते ही सामने से आए अज्ञात वाहन ने टेंपो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि प्रमोद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वाहन चालक घटनास्थल से फरार हो गया। सूचना मिलने पर शिकारपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद जिला अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है और मामले की जांच की जा रही है। इस बीच मृतक के परिजनों ने शव ले जाने के लिए समय पर सरकारी एंबुलेंस उपलब्ध न होने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि उन्होंने 102 एंबुलेंस सेवा पर कई बार संपर्क किया, लेकिन लंबे इंतजार के बाद भी एंबुलेंस नहीं पहुंची। अंततः उन्हें निजी वाहन से शव को जिला अस्पताल ले जाना पड़ा। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित शिकारपुर दौरे के चलते एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन संसाधन वीआईपी ड्यूटी में लगाए गए थे, जिसके कारण उन्हें समय पर सुविधा नहीं मिल सकी। हालांकि, इस आरोप की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस और संबंधित विभाग की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

मोदीनगर में 'स्तोत्र मंजरी' श्लोक गायन प्रतियोगिता का आयोजन

स्वर, संस्कार और संस्कृति का अनुपम संगम : डीपीएस

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। दिल्ली पब्लिक स्कूल, मोदीनगर में भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों एवं संस्कृत भाषा के संवर्धन के उद्देश्य से 'स्तोत्र मंजरी' श्लोक गायन प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. विक्रम गांधी (सचिव, डीएमईटी) तथा श्रीमती अनीशा गांधी (प्रो-वाइस चेयरपर्सन, दिल्ली पब्लिक स्कूल) की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में विद्यालय की नृत्य विभाग की अध्यापिका श्रीमती दीपाली विद्यार्थी एवं हिन्दी विभाग की अध्यापिका श्रीमती नेहा रानी उपस्थित रहीं। जिन्होंने प्रतिभागियों के उच्चारण, स्वर, भाव-प्रस्तुति एवं मंच संचालन के आधार पर निष्पक्ष मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता का आयोजन दो वर्गों में किया गया। प्रथम वर्ग के विद्यार्थियों ने सुभाषित एवं नीति श्लोकों का प्रभावशाली वाचन प्रस्तुत किया, जबकि द्वितीय वर्ग के विद्यार्थियों ने विभिन्न स्तोत्रों का भावपूर्ण एवं सस्वर पाठ कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों की शुद्ध उच्चारण शैली, आत्मविश्वास एवं सांस्कृतिक प्रस्तुति ने सभी उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। अपने प्रेरणादायी संबोधन में डॉ. विक्रम गांधी ने कहा कि संस्कृत श्लोक केवल भाषा का ज्ञान नहीं देते, बल्कि जीवन में अनुशासन, नैतिकता और सकारात्मक सोच का भी विकास करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से भारतीय सांस्कृतिक विरासत को आत्मसात करने और उसे अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया। श्रीमती अनीशा गांधी ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ बच्चों में आत्मविश्वास, मंच कौशल एवं भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना को विकसित करती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को निरंतर अभ्यास करने तथा संस्कृत भाषा एवं भारतीय परंपराओं से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया। अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ ज्योति सिरोही ने सभी विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यालय सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ भारतीय संस्कृति एवं नैतिक मूल्यों के संरक्षण हेतु ऐसे आयोजनों का निरंतर संचालन करता रहेगा। 'स्तोत्र मंजरी' ने विद्यालय परिसर को भक्ति, संस्कृति और संस्कृत भाषा की मधुर स्वर-लहरियों से गुंजायमान कर दिया तथा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास एवं सांस्कृतिक चेतना को नई दिशा प्रदान की।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर आई 84 शिकायतों में से सिर्फ चार का निस्तारण

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। तहसील में उप जिलाधिकारी अजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान 84 शिकायतें प्राप्त हुई। जिसमें से मौके पर 04 शिकायतों का निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश दिए गए। संपूर्ण समाधान दिवस पर भारतीय किसान यूनियन के नगर अध्यक्ष चौधरी पवन कुमार रूप ऊर्फ लालाराम बापू ने किसानों की समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन सोंपा। ज्ञापन में बिजली के जर्जर तार बदलने, स्मार्ट मीटर नहीं लगाने, गन्ने का भुगतान, आदि समस्याओं से अवगत कराया गया। इस दौरान तहसीलदार रजत सिंह, मुकेश शर्मा नायब तहसीलदार सहित पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिका सहित अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब मोदीनगर द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर में वृक्षारोपण अभियान सम्पन्न

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। रोटरी क्लब मोदीनगर द्वारा शनिवार को सरस्वती शिशु मंदिर, गदाना, मोदीनगर में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प के साथ एक भव्य वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। इस अवसर पर क्लब सदस्यों एवं विद्यालय परिवार ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए कुल 31 पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रोटेरियन विवेक शर्मा, डिप्टी डिस्ट्रिक्ट जोन, जोन 11 एवं जोन 12 रहे।

उन्होंने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है तथा वृक्षारोपण आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण निवेश है। उन्होंने स्वयं पौधारोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3012 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन अमित गुप्ता के नेतृत्व में पूरे डिस्ट्रिक्ट में 10,000 पौधे लगाने का संकल्प लिया गया है, जो की निरंतर आगे भी चलता रहेगा।

जिसमें रोटरी क्लब मोदीनगर भी सक्रिय रूप से सहभागी बना। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष रोटेरियन मुकेश गोयल ने की। क्लब सचिव रोटेरियन आभास कंसल तथा कोषाध्यक्ष रोटेरियन शलभ सिंघल ने कार्यक्रम के सफल संचालन एवं व्यवस्थाओं का दायित्व निभाया। विद्यालय समिति के प्रबंधक सुदेश मित्तल एवं विनोद अग्रवाल ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष सहयोग प्रदान किया।

विद्यालय के प्राचार्य नरेंद्र कुमार ने सभी अतिथियों एवं रोटरी सदस्यों का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रोटेरियन विवेक शर्मा, विनोद अग्रवाल, प्राचार्य नरेंद्र कुमार एवं सुदेश मित्तल का पौधों (प्लांटर) भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में क्लब के सक्रिय सदस्यों धर्मेश शर्मा, नरेंद्र कुमार सक्सेना, आलोक गुप्ता, सचिन गुप्ता, अजय गोयल, साक्षी आभास कंसल, प्रमोद तंवर, अनिल सामंत, अक्षय गुप्ता तथा ललित सैन सहित अनेक सदस्यों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

अंत में क्लब अध्यक्ष रोटेरियन मुकेश गोयल ने कहा कि रोटरी क्लब मोदीनगर पर्यावरण संरक्षण, हरित अभियान एवं सामाजिक सेवा के ऐसे कार्यक्रम भविष्य में भी निरंतर आयोजित करता रहेगा तथा समाज को अधिक से अधिक वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करेगा, इसी के साथ उन्होंने आए हुए सभी अतिथियों, शिक्षक गण, स्टाफ, प्राचार्य एवं सदस्यों का आभार प्रकट किया।

सीबीएसई हैंडबॉल चैंपियनशिप नॉर्थ- जोन 2026 चार दिवसीय का हुआ समापन

विजेता टीम को ट्रॉफी व पदक प्रदान कर किया सम्मानित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मिलेनियम एकेडमी किल्हौड़ा मोदीनगर में आयोजित हो रहे सीबीएसई हैंडबॉल चैंपियनशिप नॉर्थ- जोन 2026 चार दिवसीय का समापन समारोह बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया।

आयोजन के मुख्य अतिथि महेंद्र सिंह त्यागी चेयरमैन खो -खो फोटो फेडरेशन ऑफ इंडिया और डी सी पी सुरेन्द्र नाथ तिवारी का स्वागत विद्यालय के चेयरमैन मधुर नेहरा व प्रबंधक जसवीर सिंह, प्रधानाचार्य संदीप कुमार त्यागी ने किया । उन्होंने अपने संभाषण में बच्चों को खेल की महत्ता को बताते हुएं जीवन में चरम लक्ष्य को प्राप्त करने के मंत्र दिए। इस चार दिवसीय खेल प्रतियोगिता में विभिन्न विघालयों की लगभग तीस टीमों ने भाग लिया। विजेता टीम को मुख्य अतिथि ने ट्रॉफी व पदक दिए और उज्जवल भविष्य की कामना की। विद्यालय की उप प्रधानाचार्या श्रीमती नीतू चौधरी व समन्वयक श्रीमती अपूर्वा व श्रीमती वैशाली नेहरा व अन्य शिक्षकों के साथ बच्चों को आशीर्वाद दिया।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के चेयरमैन ने मुख्य अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया। एवं बच्चों के भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं एवं टीम मैनेजर सीबीएसई के अधिकारियों की उपस्थिति सराहनीय रही अन्य स्टाफ का सहयोग अत्यंत सराहनीय रहा।

शहर कांग्रेस कमेटी ने एसडीएम को शिकायत पत्र सौंपा

स्कूल में प्राइवेट प्रकाशन की पुस्तक लगाकर अभिभावको का आर्थिक शोषण का आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। शहर कमेटी के शहर अध्यक्ष बृजेश कुमार सेन के नेतृत्व में एनसीईआरटी की पाठ्यक्रम से अध्ययन करने के लिए मार्च से लगातार प्रयास किया जा रहा है, लेकिन प्रशासन की लापरवाही का हजार्ना मोदीनगर के गरीब लाचार और शोषित वर्ग भुगत रहा है। इसके लिए शहर कांग्रेस कमेटी ने तहसील दिवस में एसडीम मोदीनगर को शिकायत पत्र सौपा। कार्यवाही की मांग की अन्यथा शहर कांग्रेस कमेटी आंदोलन करेगी।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस के पीसीसी सदस्य सुनील शर्मा ने बताया की मोदीनगर विधानसभा क्षेत्र के प्राइवेट स्कूल ही नहीं सरकारी वित्त पोषित स्कूल भी प्राइवेट प्रकाशन की पुस्तक लगाकर अभिभावको का आर्थिक शोषण कर रहे हैं। शहर के सरकारी वित्त पोषित स्कूल द्वारा कक्षा 6 में प्राइवेट पुस्तकों को लगाकर गरीब छात्रों को शिक्षा से दूर करने का कार्य किया जा रहा है। कुछ बच्चों के अभिभावकों ने प्रिंसिपल से जब अपनी आर्थिक स्थिति बता कर प्राइवेट प्रकाशन की पुस्तक खरीदने में असमर्थता जताई तो प्रिंसिपल एनसीईआरटी की पुस्तक खरीदने की परमिशन दे दी लेकिन स्कूल में अध्ययन प्राइवेट प्रकाशक की पुस्तकों से कराया जा रहा है जिसके कारण कुछ बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। यह शिक्षा के अधिकार कानून 2009 का खुला उल्लंघन किया जा रहा है। यदि समय रहते शासन प्रशासन ने इस पर कार्रवाई नहीं की तो शहर कांग्रेस कमेटी मोदीनगर आंदोलन करने को बाध्य होगी जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से पीसीसी सदस्य सुनील शर्मा, शहर अध्यक्ष मोदीनगर बृजेश कुमार सेन, ब्लॉक अध्यक्ष मोदीनगर चांद वीर चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष गोविंदपुरी राकेश सोनी, शहर अध्यक्ष महिला कल्पना सिंह, विशाल कौशिक, मुकुल शर्मा, भिखारी लाल कश्यप, अनस सैफी, फकीरचंद कश्यप, जहूर खान और ज्ञानेश्वर शर्मा आदि उपस्थित रहे।

ऑपरेशन प्रहार : मसूरी पुलिस ने 5.64 किलो गांजा के साथ तस्कर दबोचा, कार भी जब्त

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के ह्लऑपरेशन प्रहारह्व के तहत मसूरी थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 5 किलो 640 ग्राम अवैध गांजा तथा तस्करी में प्रयुक्त एक कार बरामद की है। पुलिस के अनुसार, शनिवार को चेकिंग अभियान के दौरान दानिश पुत्र कलुआ, निवासी दूधिया पीपल के पास, बाबू कॉलोनी, डासना (थाना वेवसिटी) को मसूरी थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 5.64 किलो अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही कार को भी कब्जे में ले लिया। बरामदगी के आधार पर आरोपी के खिलाफ धारा 8/20/29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मसूरी थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर गांजा तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

श्री शिवशक्ति मंदिर का वार्षिक उत्सव श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया

महाप्रभु जगन्नाथ जी एवं शनिदेव जी की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। श्री शिवशक्ति मंदिर समिति, बैंक कॉलोनी, मोदीनगर का 28वां वार्षिकोत्सव श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर महाप्रभु जगन्नाथ जी एवं शनिदेव जी की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर श्रद्धालु जनों में भजन कीर्तन कर भगवान के नाम का गुणगान किया। इस अवसर पर हवन एवं भंडारे का भी आयोजन किया गया। जिसमें सैकडों भक्त जनों ने भाग लिया और प्रसाद ग्रहण किया।शिवशक्ति मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने नगर के सभी भक्तजनों से निवेदन किया है कि 19 जुलाई दिन रविवार महाप्रभु जगन्नाथ जी की रथ यात्रा प्रारंभ प्रातः साढ़े 7 बजे मोदी मंदिर से होगी।धार्मिक कार्यक्रम में अपने परिवार एवं इष्ट-मित्रों सहित समय पर पधारकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएँ तथा पुण्य एवं धर्म लाभ प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि आप सभी के स्नेह, सहयोग एवं आशीर्वाद के लिए हृदय से कृतज्ञ है। हमें गर्व है कि वर्षों से आप सभी के सहयोग से यह धार्मिक परंपरा निरंतर आगे बढ़ रही है।

जेवर एयरपोर्ट की राह होगी और खूबसूरत, क्लोवर लीफ इंटरचेंज के सौंदर्यकरण कार्यों का निरीक्षण

कपिल चौहान

जेवर(वेलकम इंडिया)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर को विश्वस्तरीय स्वरूप देने की दिशा में किए जा रहे विकास कार्यों के तहत क्लोवर लीफ इंटरचेंज पर कराए गए सौंदर्यकरण कार्यों का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने ठलअक के अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर विकसित किए गए हरित क्षेत्र, आकर्षक सजावट और अन्य कार्यों की गुणवत्ता का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि इंटरचेंज क्षेत्र में विकसित किए गए ग्रीन एरिया और सौंदर्यकरण कार्यों का नियमित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए। पौधों की देखभाल, साफ-सफाई और सौंदर्य व्यवस्था को लंबे समय तक बेहतर बनाए रखने के लिए प्रभावी निगरानी करने के निर्देश दिए गए।

अधिकारियों ने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट क्षेत्र को आधुनिक, स्वच्छ और आकर्षक पहचान देने के लिए विकास कार्यों में गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया जा रहा है। यात्रियों के स्वागत मार्ग को बेहतर बनाने के लिए हरित एवं सौंदर्यपूर्ण वातावरण विकसित किया जा रहा है।

पुलिस लाइन में डीसीपी का औचक निरीक्षण, गुणवत्ता, स्वच्छता और सुरक्षा के दिए सख्त निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। पुलिस उपायुक्त नगर/ट्रांस हिंडन/लाइन्स श्री धवल जायसवाल ने शनिवार को पुलिस लाइन का औचक निरीक्षण कर वहां संचालित विभिन्न कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने निर्माण एवं अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों को सभी कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीसीपी ने पुलिस लाइन परिसर को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने तथा सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्य में गुणवत्ता, अनुशासन और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। निरीक्षण के अंत में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देकर व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार बनाए रखने के निर्देश दिए।

कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन अलर्ट, पांच दिन में चाक-चौबंद होगा पूरा मार्ग

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। श्रावण मास की पावन कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुविधाजनक बनाने के लिए गाजियाबाद प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कांवड़ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा के बाद जिले में सभी संबंधित विभागों ने युद्धस्तर पर कार्य शुरू कर दिया है। पंचायती राज विभाग और जिला पंचायत को अगले पांच दिनों के भीतर कांवड़ मार्ग पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए साफ–सफाई, पेयजल, अस्थायी शौचालय, प्रकाश व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। हर वर्ष श्रावण मास में लाखों शिवभक्त गाजियाबाद से होकर हरिद्वार और अन्य तीर्थस्थलों से पवित्र गंगाजल लेकर अपने गंतव्य तक पहुंचते हैं। ऐसे में कांवड़ मार्ग पर सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर प्रशासन की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर कांवड़ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की थी। मुख्यमंत्री के निदेर्शों के बाद जिले के सभी विभाग पूरी मुस्तैदी के साथ मैदान में उतर गए हैं, ताकि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो और श्रद्धालुओं को निर्बाध सुविधाएं मिल सकें। पंचायती राज विभाग ने कांवड़ मार्ग की साफ–सफाई को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। जिला पंचायती राज अधिकारी जाहिद हुसैन ने शनिवार को स्थानीय अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की।

युवाओं में जोश भरेंगे भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रोहित मिश्रा, आज गाजियाबाद में होगा भव्य स्वागत

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रोहित मिश्रा का 19 जुलाई को गाजियाबाद महानगर में प्रथम आगमन होगा। उनके स्वागत को लेकर भाजपा एवं भाजयुमो कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के मार्गदर्शन तथा भाजयुमो महानगर अध्यक्ष सचिन डेढ़ा के नेतृत्व में शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर उनका भव्य स्वागत किया जाएगा।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत शिव मंदिर लाल कुआं, हुंडई शोरूम पंचवटी, चौधरी मोड़, ओपुलेंट मॉल, घंटाघर, नया बस अड्डा, मेरठ मोड़ स्थित चौधरी चरण सिंह प्रतिमा, साई वाटिका और अर्थला मेट्रो स्टेशन सहित कई स्थानों पर किया जाएगा। स्वागत कार्यक्रम के उपरांत डॉ. रोहित मिश्रा आईटीएस कॉलेज, मोहन नगर में आयोजित युवा मोर्चा के कार्यक्रम में पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को संबोधित करेंगे। वे संगठन की आगामी कार्ययोजना, युवाओं की भूमिका और प्रदेश में युवा मोर्चा की गतिविधियों को लेकर मार्गदर्शन देंगे।

भाजयुमो महानगर इकाई ने सभी पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, कार्यकताओं एवं युवा साथियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचकर प्रदेश अध्यक्ष का भव्य एवं ऐतिहासिक स्वागत करने का आह्वान किया है।

दूधेश्वरनाथ धाम पहुंचे मुख्यमंत्री योगी, रुद्राभिषेक कर प्रदेश की खुशहाली और लोकमंगल की मांगी कामना

शिव आराधना के बाद वेदपाठी बटुकों से किया संवाद, बोले– संस्कृत हमारी सनातन ज्ञान परंपरा की आत्मा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गाजियाबाद स्थित ऐतिहासिक श्री दूधेश्वरनाथ महादेव मठ मंदिर में भगवान शिव का विधि-विधान से जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक एवं रुद्राभिषेक किया। उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, आरोग्य और लोककल्याण की कामना करते हुए भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में शिवलिंगों और नंदी महाराज के दर्शन कर पुष्प अर्पित किए तथा पीठाधीश्वर एवं संत समाज का आशीर्वाद प्राप्त किया। वैदिक मंत्रोच्चार और शिव स्तुति के बीच संपन्न हुए पूजन-अर्चन से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। पूजन के उपरांत मुख्यमंत्री ने वेदाध्ययन कर रहे बटुकों और संस्कृत विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने कहा कि संस्कृत केवल भाषा नहीं, बल्कि भारत की सनातन ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक विरासत की मूल धारा है। इसके संरक्षण और संवर्धन से राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना और मजबूत होगी। मुख्यमंत्री ने मठ एवं मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया और श्रद्धालुओं का अभिवादन स्वीकार किया। मंदिर पहुंचने पर वेदपाठी बटुकों ने वैदिक स्वस्तिवाचन एवं पुष्पवर्षा के साथ उनका स्वागत किया। इस अवसर पर संत-महात्माओं के साथ प्रदेश में शांति, सद्भाव, सांस्कृतिक उत्थान और जनकल्याण से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। श्री दूधेश्वरनाथ महादेव मठ मंदिर गाजियाबाद का प्राचीन एवं ऐतिहासिक शिवधाम है, जो सनातन संस्कृति और वैदिक परंपरा का प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र माना जाता है।

मुख्यमंत्री योगी ने ललिता गौतम के परिजनों से की मुलाकात, बोले– 'एक भी दोषी नहीं बचेगा'

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मेरठ की दिवंगत दलित छात्रा ललिता गौतम के परिजनों से गाजियाबाद स्थित पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में मुलाकात कर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने पीड़ित परिवार को भरोसा दिलाया कि इस जघन्य अपराध में शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और सभी आरोपियों के खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने घटना की विवेचना में किसी भी स्तर पर लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही पुलिस अधिकारियों को प्रभावी पैरवी कर दोषियों को कठोरतम दंड दिलाने के लिए सभी आवश्यक कानूनी कदम उठाने को कहा।

मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से ₹5 लाख की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए। इसके अलावा मृतका के पिता तथा परिवार के एक अन्य पात्र सदस्य को मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत आवास उपलब्ध कराने और आयुष्मान भारत योजना, राशन कार्ड सहित सभी पात्र सरकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

मुलाकात के बाद मृतका के पिता वेदप्रकाश और भाई प्रशांत ने मुख्यमंत्री पर भरोसा जताते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस मामले में कोई भी अपराधी बच नहीं पाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने उनकी पीड़ा को गंभीरता से सुना और न्याय दिलाने का भरोसा दिया।

इस दौरान समाज कल्याण मंत्री एवं मेरठ के जिला प्रभारी मंत्री असीम अरुण सहित वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी ने किया गाजियाबाद नगर निगम की कॉफी टेबल बुक 'क्लीन गाजियाबाद, ग्रीनर टुमॉरो' का विमोचन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाजियाबाद नगर निगम की 'क्लीन गाजियाबाद, ग्रीनर टुमॉरो' कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। इस अवसर पर नगर आयुक्त ने मुख्यमंत्री के समक्ष नगर निगम के एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन मॉडल का विस्तृत प्रस्तुतीकरण करते हुए स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, ठोस कचरा प्रबंधन, पुनर्चक्रण, हरित विकास एवं जनसहभागिता से जुड़े नवाचारों और उपलब्धियों की जानकारी दी।

प्रस्तुतीकरण के दौरान नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम आधुनिक तकनीक आधारित कचरा प्रबंधन, पुनर्चक्रण व्यवस्था तथा जनसहभागिता के माध्यम से गाजियाबाद को स्वच्छ, सुंदर और हरित शहर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने नगर निगम द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाओं और पर्यावरण संरक्षण संबंधी पहलों की भी जानकारी मुख्यमंत्री को दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाजियाबाद नगर निगम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचार अन्य नगर निकायों के लिए भी प्रेरणादायी हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और हरित वातावरण के निर्माण में स्थानीय निकायों की महत्वपूर्ण भूमिका है तथा जनसहभागिता से ऐसे अभियान और अधिक प्रभावी बनते हैं। मुख्यमंत्री ने स्वच्छ एवं हरित गाजियाबाद के निर्माण के लिए नगर निगम की पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते रहने का आह्वान किया।

न्यू शांति नगर की समस्याओं को लेकर सड़क पर उतरे लोग, सीवर-सड़क और जलभराव से निजात की मांग

विधायक प्रतिनिधि व प्रशासन को सौंपा ज्ञापन, भाकियू (भानु) ने दी समयबद्ध समाधान की मांग

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। न्यू शांति नगर में लंबे समय से चली आ रही मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं को लेकर क्षेत्रवासियों ने आवाज बुलंद की। भारतीय किसान यूनियन (भानु) के जिला अध्यक्ष विवेक यादव के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने सदर विधायक संजीव शर्मा के प्रतिनिधि और जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र की समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। क्षेत्रवासियों ने आरोप लगाया कि न्यू शांति नगर में सड़क, सीवर, जल निकासी, पेयजल, बिजली, स्ट्रीट लाइट और सफाई जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। सीवर लाइन नहीं होने से गलियों में गंदे पानी का जमाव रहता है, वहीं नालों की सफाई और चौड़ीकरण नहीं होने से बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति पैदा हो जाती है। ज्ञापन के माध्यम से जल प्लांट रोड के पीछे न्यू शांति नगर से गुरुद्वारे तक नाले के चौड़ीकरण, अतिक्रमण हटाने और नियमित सफाई कराने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। साथ ही जर्जर सड़कों की मरम्मत, नई नालियों का निर्माण, पेयजल व्यवस्था सुधारने, जर्जर विद्युत पोल व लाइनों को बदलने और पर्याप्त स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की गई। भाकियू (भानु) जिला अध्यक्ष विवेक यादव ने कहा कि क्षेत्र की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि निर्धारित समय में प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन जनहित में लोकतांत्रिक तरीके से आगे की रणनीति तय करेगा। इस मौके पर राष्ट्रीय सचिव वरुण शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष आशु ठाकुर, ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष ऋतिक यादव, मंडल मीडिया प्रभारी राजकुमार, महानगर अध्यक्ष अंकुर पंडित सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

घर के बाहर वकील पर हमला, सीसीटीवी में कैद हुई दबंगई; फायरिंग और लूट के आरोप से सनसनी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में अधिवक्ता अजय कुमार गौतम पर हुए कथित जानलेवा हमले का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। वायरल वीडियो में कई युवक उनके घर के बाहर उन्हें घेरकर बेरहमी से मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। फुटेज में पीड़ित के जमीन पर गिरने के बाद भी हमलावर लगातार लात-घूंसों से हमला करते नजर आ रहे हैं। पीड़ित अधिवक्ता ने आरोप लगाया है कि मारपीट के दौरान हमलावरों ने फायरिंग भी की, लेकिन वह बाल-बाल बच गए। उन्होंने सोने की चेन और नकदी लूटे जाने का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शुरूआती जांच में घटना के पीछे पुरानी रंजिश की बात सामने आई है। पुलिस का कहना है कि वायरल सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। मामले की जांच जारी है।

जनसुनवाई में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने सुनीं फरियादें, समयबद्ध निस्तारण के दिए सख्त निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय एवं अपराध) श्री केशव कुमार चौधरी ने अपने कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान शिकायत लेकर पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रत्येक शिकायत पर गंभीरता से विचार करते हुए संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की शिकायतों का त्वरित और पारदर्शी समाधान पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी मामलों में निर्धारित समय सीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई की जाए।

जनसुनवाई के दौरान पहुंचे फरियादियों ने अपनी समस्याएं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के समक्ष रखीं, जिनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। पुलिस प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि प्रत्येक शिकायत का नियमानुसार निस्तारण कराया जाएगा।

डिजिटल लाइब्रेरी से बदलेगी सरकारी स्कूलों की तस्वीर, पीएमश्री शिक्षकों को मिला विशेष प्रशिक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। पीएमश्री योजना के तहत चयनित विद्यालयों में स्थापित डिजिटल लाइब्रेरी के बेहतर संचालन और तकनीक आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में शनिवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओ.पी. यादव ने की।

प्रशिक्षण में [illegible] के विशेषज्ञों ने शिक्षकों को डिजिटल लाइब्रेरी के संचालन, ई-शैक्षणिक सामग्री के प्रभावी उपयोग, विद्यार्थियों में पठन संस्कृति विकसित करने तथा डिजिटल संसाधनों के अधिकतम उपयोग के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यशाला में पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय बागरानप, मोरटी, सुहाना और सारा के नामित शिक्षकों ने भाग लिया।

इस दौरान बीएसए ओ.पी. यादव ने कहा कि डिजिटल लाइब्रेरी विद्यार्थियों को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने शिक्षकों से प्रशिक्षण का लाभ विद्यालय स्तर तक पहुंचाने और बच्चों में डिजिटल शिक्षण के प्रति रुचि विकसित करने का आह्वान किया।

कार्यशाला का उद्देश्य पीएमश्री विद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी के सफल संचालन के माध्यम से शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक समृद्ध, रोचक और तकनीक-सम्मत बनाना रहा। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को उपयोगी बताते हुए इसे विद्यालयों में प्रभावी ढंग से लागू करने का संकल्प लिया।

रोटरी क्लब ऑफ गाज़ियाबाद आइडियल एवं रोटरी क्लब ऑफ साहिबाबाद की संयुक्त पहल से 250 पौधों का रोपण

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के संकल्प को साकार करने की दिशा में रोटरी क्लब ऑफ गाज़ियाबाद आइडियल एवं रोटरी क्लब ऑफ साहिबाबाद के संयुक्त तत्वावधान में एनएच-24 पर स्थित स्टेप अप स्कूल के समीप भूमि पर एक व्यापक वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान के अंतर्गत लगभग 250 पौधों का रोपण किया गया।

इस अवसर पर दोनों क्लबों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया।

आयोजन का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित एवं विकसित करते हुए भविष्य में विशाल वृक्षों के रूप में तैयार करना है।

आयोजकों ने बताया कि यह अभियान एक सतत परियोजना का हिस्सा है, जिसके अंतर्गत लगाए गए प्रत्येक पौधे की नियमित निगरानी, सिंचाई एवं संरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि यह पहल आने वाले वर्षों में क्षेत्र की हरियाली और पर्यावरण संतुलन में महत्वपूर्ण योगदान दे सके।

रोटरी क्लब के प्रतिनिधियों ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच वृक्षारोपण सबसे प्रभावी उपायों में से एक है।

समाज के प्रत्येक नागरिक को पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आकर कम-से-कम एक पौधा लगाने एवं उसकी जिम्मेदारी लेने का संकल्प लेना चाहिए।

इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों एवं सहयोगियों ने प्रकृति के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करने का संकल्प दोहराते हुए समाज से भी इस हरित अभियान में सक्रिय सहभागिता की अपील की।